WWW.Kanchanujala.in

हिन्दी दैनिक

kanchanujala14@gmail.com

कंचन उजाला

लखनऊ से प्रकाशित

सच्चाई के साथ

सुशांत सिंह राजपूत के फैंस ने की ऐसी हरकत कि अंकिता लोखंडे को मांगनी पड़ी बॉयफ्रेंड विक्की जैन से माफी

वर्षः 01 अंक : 314 | लखनऊ, मंगलवार, 03 नवम्बर, 2020 | पृष्ठ- 6 | मूल्य - 1 रुपये

लगातार आठवें दिन 50 हजार से कम आये कोरोना के नये मामले

नयी दिल्ली, एजेंसी। देश में लगातार आठवें दिन कोरोना वायरस (कोविड-19) संक्रमण के 50 हजार से कम नये मामले सामने आए हैं और इससे स्वस्थ होने वाले लोगों की संख्या अधिक बनी रहने से मृत्यु और सक्रिय मामलों की दर में भी लगातार गिरावट आ रही है।

देश में लगातार स्वस्थ होने वाले लागों की संख्या बढ़ने से कोरोना वायरस के सक्रिय मामलों की संख्या घटकर 5,61,908 रह गयी है। इसके साथ ही सक्रिय मामलों की दर घटकर 6.82 प्रतिशत हो गई है। केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से सोमवार को जारी आंकड़ों के अनुसार कोरोना को मात देने वालों की दर बढ़कर 91.68 प्रतिशत हो गयी है, जबकि मृत्यु दर घटकर 1.48 प्रतिशत तथा सक्रिय मामलों की दर 6.82 प्रतिशत हो गयी है। पिछले 24 घंटों के दौरान देश के विभिन्न हिस्सों में कोरोना के 45,231 नये मामले सामने आये। यह लगातार आठवां दिन है, जब कोविड-19 के 50 हजार के कम मामले सामने आये हैं। इससे पहले रविवार को 46,963, शनिवार को 48,268, शुक्रवार को 48,648, गुरुवार को 49,881, बुधवार को 43,843, मंगलवार को 36,470 और सोमवार को 45,149 नये मामले सामने आये थे।

गत 24 घंटे में 53,285 संक्रमित स्वस्थ हुए है और 496 लोगों की मृत्यु हुई है। देश में अब तक 82.29 लाख से अधिक लोग संक्रमित हुए हैं, जिनमें से करीब 75.44 लाख लोग स्वस्थ हो चुके हैं तथा 1,22,607 लाख लोगों की मृत्यु हुई है। स्वस्थ होने वालों की संख्या बढ़ने से सक्रिय मामले 8,550 घटकर 5,61,908 रह गये हैं। इस जानलेवा विषाणु से सर्वाधिक प्रभावित महाराष्ट्र में पिछले 24 घंटों के दौरान सक्रिय मामलों में 1,530 की बढ़ोतरी होने से इनकी संख्या बढ़कर 1,25,672 हो गयी है जबकि इस दौरान 113 लोगों की मौत होने से मृतकों की संख्या 44,024 हो गयी है। वहीं इस दौरान 3,726 लोग स्वस्थ हुए हैं, जिससे इस महामारी से निजात पाने वाले लोगों की संख्या बढ़कर 15.14 लाख से अधिक हो गयी है।

पाकिस्तानः कराची के हिंदू मंदिर में जमकर तोड़फोड़

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान में आए दिन कट्टरपंथियों द्वारा हिंदू मंदिर एवं उनके देवी-देवताओं की मूर्तियों को नुकसान पहुंचाने की खबर आते रहती है। इसी कड़ी में आर्थिक राजधानी कराची में कुछ कट्टरपंथियों ने एक प्राचीन हिंदू मंदिर में जमकर तोड़फोड़ की। इस दौरान उन्होंने मंदिर में रखी भगवान गणेश की मूर्तियों को भी तोड़ डाला। ल्यारी इलाके में हुई इस घटना के लिए कट्टरपंथियों ने हिंदुओं को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने एक हिंदू बच्चे पर पैगंबर की ईशनिंदा का आरोप लगाया और इसकी प्रतिक्रिया में उन्होंने इस घटना को अंजाम दिया। वहीं स्थानीय हिंदू समुदाय ने बताया कि कट्टरपंथियों द्वारा लगाया गया आरोप निराधार है। उन्होंने कहा कि यहां कुछ असमाजिक तत्वों द्वारा उन्हें प्रताड़ित किया जाता है। बता दें कि पाकिस्तान में पिछले 20 दिनों में हिंदू मंदिरों में तोड़फोड़ की तीसरी घटना है।

राम-जानकी मार्ग का निर्माण हो रहा, अयोध्या से पांच घंटे में सीतामढ़ी पहुंचेंगे श्रद्धालुटः योगी आदित्यनाथ

सीतामढ़ी, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अयोध्या और सीतामढ़ी को जोड़ने वाले एक मार्ग का निर्माण किया जा रहा है, जिसका नाम राम–जानकी मार्ग होगा। इससे श्रद्धालु पांच से छह घंटे में अयोध्या से सीतामढ़ी पहुंच सकेंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बिहार विधानसभा चुनाव के प्रचार के लिए सीतामढ़ी पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने कहा कि मैं विशेष रूप से यहां राम मंदिर निर्माण शुरू होने के उपलक्ष्य में आप सभी को बधाई और शुभकामनाएं देने आया हूं। इस दौरान उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश के अयोध्या से बिहार के सीतामढ़ी जिले को जोड़ने वाले मार्ग का निर्माण किया जा रहा है। इस मार्ग का नाम राम-जानकी मार्ग है। इसके जरिये श्रद्धालु पांच से छह घंटे में अयोध्या से सीतामढ़ी पहुंच जाएंगे।

माल्या के प्रत्यर्पण में क्यों हो रही है देरी

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र से मांगा जवाब

नई दिल्ली, एजेंसी। उच्चतम न्यायालय ने केंद्र से कहा कि वह ब्रिटेन में भगोड़ा कारोबारी विजय माल्या को भारत को प्रत्यर्पित किए जाने संबंधी यूनाइटेड किंगडम में लंबित कार्रवाई पर छह हफ्ते के अंदर स्थिति रिपोर्ट दायर करे। न्यायमूर्ति यूयू ललित और अशोक भूषण की पीठ ने सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता से छह हफ्ते में मामले में स्थिति रिपोर्ट दाखिल करने को कहा और अगले साल जनवरी के पहले हफ्ते में सुनवाई के लिए इसे सूचीबद्ध कर दिया। इससे पहले पांच अक्तूबर को हुई सुनवाई में विदेश मंत्रालय ने अदालत को बताया था कि भगोड़े कारोबारी के प्रत्यर्पण का आदेश ब्रिटेन की सर्वोच्च अदालत ने दिया था, लेकिन इसका कोई असर नहीं हुआ है। केंद्र का कहना था कि उसे ब्रिटेन में चल रही गुप्त कार्यवाही की जानकारी नहीं है जिसके कारण

माल्या के प्रत्यर्पण में देरी हो रही है। अदालत ने साफ जवाब न देने के लिए भगोड़े कारोबारी के वकील को फटकार लगाई और सुनवाई दो नवंबर तक के लिए टाल दी थी। उच्चतम न्यायालय ने भगोड़ा कारोबारी विजय माल्या के वकीलों से कहा था कि वे दो नवंबर तक बताएं कि माल्या कब अदालत के समक्ष पेश हो सकता है और गोपनीय कार्यवाही कब समाप्त होगी। दरअसल, शीर्ष अदालत ने माल्या के वकील से अदालत की अवमानना से जुड़े मामले में पूछा था कि माल्या इस मामले में कब पेश हो सकते हैं। अदालत ने यह भी जानना चाहा था कि मामले में क्या हो रहा है और प्रत्यर्पण में क्या बाधा है। इसपर, विदेश मंत्रालय द्वारा अदालत को बताया गया था कि ब्रिटेन के सर्वोच्च न्यायालय ने प्रत्यर्पण का आदेश दिया था, लेकिन इसे लागू नहीं किया जा रहा है। कुछ गुप्त क्रियाएं हो रही हैं, जिनके बारे में भारत सरकार को अवगत नहीं कराया गया है। भारत सरकार को न तो कोई जानकारी दी गई है और न ही इसे पार्टी बनाया गया है। बता दें कि विजय माल्या बंद हो चुकी किंगफिशर एयरलाइंस के लिए बैंकों से नौ हजार करोड़ रुपये से अधिक का भुगतान नहीं करने के मामले में आरोपी है।

चिराग का दावा, चुनाव परिणाम के बाद राजद के साथ मिलकर नीतीश बने रहेंगे मुख्यमंत्री

पटना, एजेंसी। बिहार में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के घटक जनता दल यूनाइटेड (जदयू) से नाराज लोक जनशक्ति पार्टी (लोजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान ने आज दावा किया कि 10 नवंबर को विधानसभा चुनाव परिणाम के बाद श्री नीतीश कुमार मुख्य विपक्षी राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के साथ मिलकर मुख्यमंत्री के पद पर बने रहेंगे।

जमुई से सांसद श्री पासवान ने यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा कि मुख्यमंत्री एवं जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री कुमार की सरकार बनाने की पहली पसंद राजद नीत महागठबंधन के साथ है। 10 नवंबर को चुनाव परिणाम के बाद प्रदेश की जनता यह देख लेगी कि उनके इस दावे में कितना दम है। उन्होंने कहा कि राजद के साथ मिलकर श्री कुमार मुख्यमंत्री के पद पर बने रहेंगे।

दिल्ली में कोरोना बेकाबू होते देख फिर गृह मंत्रालय ने संभाली कमान

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में कोरोना वायरस के बढ़ते मामले को देखते हुए केंद्रीय गृह मंत्रालय हरकत में आ गया है। सोमवार को केंद्रीय गृह सचिव अजय भल्ला ने एक नियमित प्रक्रिया के हिस्से के रूप में, दिल्ली में कोरोना की स्थिति की समीक्षा की। दिल्ली में बढ़ते मामले को लेकर केंद्रीय गृह मंत्रालय ने कहा है कि प्रशासन जांच, संपर्क ट्रेसिंग और उपचार पर ध्यान केंद्रीत कर रहा है। अस्पतालों में बिस्तरों की उपलब्धता की स्थिति सहज है, कोविड-19 समर्पित 15,789 बिस्तरों में से 57 प्रतिशत खाली हैं। डेडिकेटेड बिस्तर भी खाली हैं। कोरोना के बढ़ते मामलों के लेकर गृह मंत्रालय ने कहा है कि दिल्ली में कोविड-19 के मामलों में बढ़ोतरी त्योहारी मौसम में लोगों की ज्यादा आवाजाही, कोविड व्यवहार से जुड़ी

सावधानियों में लापरवाही के कारण है। गृह मंत्रालय ने कहा कि दिल्ली के कुछ इलाकों में आरटी-पीसीआर जांच पर ध्यान केंद्रित करने और साथ-साथ आईसीयू और वेंटिलेटर के साथ-साथ चिकित्सा संसाधनों की उपलब्धता, कॉन्टैक्ट ट्रेसिंग सुनिश्चित करना है। गृह मंत्रालय ने यह भी कहा है कि इस बात पर जोर दिया जा रहा है कि दिल्ली में मेट्रो से यात्रा को सावधानीपूर्वक नियमित किया जाए, मानक संचालन प्रक्रियाओं का सख्ती से अनुपालन हो। सरकार रेस्तरां, बाजारों, सलून जैसी संवेदनशील जगहों पर लक्षित आरटी-पीसीआर जांच जैसे प्रयासों पर ध्यान केंद्रित करेगी।

लव-जेहाद शब्द का दुरुपयोग ठीक नहींः कांग्रेस

नयी दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस ने कहा है लव जेहाद शब्द का दुरुपयोग नहीं होना चाहिए लेकिन यदि मामला दबाव का हो तो उसको आवश्यक रूप से रोका जाना चाहिए। कांग्रेस प्रवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी ने सोमवार को यहां एक संवाददाता सम्मेलन में एक सवाल के जवाब में कहा कि अगर दो संप्रदायों या एक ही धर्म के दो लोगों के बीच दबाव का मुद्दा हो तो उसे रोकने के कदम उठाए जाने जरूरी है लेकिन मामला धार्मिक उद्देश्य से प्रेरित हो तो तो यह एकदम अलग मुद्दा बनता है। उन्होंने कहा कि कुछ राज्य सरकारों में इस तरह के कानून बनाने प्रस्तावित हैं और चूकि इन कानून के स्वरूप को देखा नहीं है,इसलिए उस पर टिप्पणी करना ठीक नहीं है लेकिन इस तरह के मामलों को नारा बनाना या राजनीतिक मुद्दा बनाना अनुचित है।

नवंबर में मोदी-जिनपिंग का 3 बार होगा आमना सामना

नयी दिल्ली, एजेंसी। पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर भारत एवं चीन के बीच सैन्य गतिरोध के बीच प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग का इस महीने तीन मौकों पर तीन शिखर सम्मेलनों में वर्चुअल रूप से आमना सामना होगा। पहली वर्चुअल बैठक 10 नवंबर को शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की होगी जिसकी मेजबानी रूस करेगा। दूसरी बैठक 17 नवंबर को ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की होगी। ब्रिक्स शिखर बैठक की मेजबानी भी रूस करेगा। इसके बाद दोनों नेता 21-22 नवंबर को सऊदी अरब द्वारा आयोजित जी-20 शिखर सम्मेलन में आमने सामने होंगे। ये तीनों बैठकें वर्चुअल रूप से आयोजित की जाएंगी। हालांकि इसकी अभी आधिकारिक रूप से पुष्टि की गयी है। सूत्रों के अनुसार 13-15 नवंबर को भारत आसियान शिखर सम्मेलन में भारत शामिल होगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के इस सम्मेलन को संबोधित करने की संभावना है। इस माह के आखिर में भारत तीसरे भारत अफ्रीका शिखर सम्मेलन का भी आयोजन कर सकता है।

हाथरस कांड में अगली सुनवाई 25 नवंबर को

लखनऊ, एजेंसी। सोमवार को कोर्ट में उत्तर प्रदेश के एडीजी कानून-व्यवस्था प्रशांत कुमार, गृह सचिव तरुण गाबा व हाथरस के तत्कालीन पुलिस अधीक्षक कोर्ट में पेश हुए। मामले की अगली सुनवाई 25 नवंबर को होगी। इसके पहले मामले की जांच कर रही स्पेशल टास्ट फोर्स (एसआईटी) ने सोमवार को उत्तर प्रदेश सरकार को अपनी जांच रिपोर्ट सौंप दी। सूत्रों के अनुसार एसआईटी की रिपोर्ट में वरिष्ठ पुलिसकर्मियों की भूमिका पर सवाल उठाए गए हैं। एसआईटी ने रिपोर्ट में कई सुझाव भी दिए हैं, ताकि घटना की पुनरावृत्ति भविष्य में फिर कभी न हो। बता दें कि हाथरस कांड की जांच के लिए प्रदेश सरकार ने तीन सदस्यीय कमेटी का गठन किया था। उत्तर प्रदेश के हाथरस जिले के चंदपा थाना क्षेत्र के एक गांव में बीते 14 सितंबर को एक युवती के साथ कथित रूप से सामूहिक दुष्कर्म किया गया था।

मंदिर में नमाज का मामलाः यूपी पुलिस ने फैजल खान को किया गिरफ्तार

मथुरा, एजेंसी। मथुरा के नंदगांव स्थित विश्व प्रसिद्ध नंदबाबा मंदिर में नमाज पढ़ने का मामला तूल पकड़ने के बाद सोमवार को उत्तर प्रदेश पुलिस ने फैजल खान को गिरफ्तार कर लिया है। मथुरा के थाना बरसाना की पुलिस ने फैजल को गिरफ्तार किया है। पुलिस अब मंदिर में नमाज अदा करने के दूसरे आरोपी चांद मोहम्मद और इनके दो साथियों आलोक और नीलेश की गिरफ्तार के लिए प्रयास कर रही है। एसएसपी डॉ. गौरव ग्रोवर ने बताया कि रविवार की रात नंदबाबा मंदिर के तीन सेवायतों कृष्ण मुरारी उर्फ कान्हा, मुकेश गोस्वामी और शिवहरी ने दिल्ली निवासी फैजल खान, चांद मोहम्मद, आलोक रतन, नीलेश गुप्ता के खिलाफ धारा 135ए, 295, 505 में मुकदमा दर्ज कराया था। चारों खोदाई खिदमतगार संस्था के सदस्य हैं। इन पर सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने के उद्देश्य से मंदिर परिसर में नमाज अदा करने का आरोप लगाया है। साथ ही इसके पीछे विदेशी मुस्लिम संगठन तथा विदेशी फंडिंग की आशंका जताई थी। सोमवार की शाम को थाना बरसाना की पुलिस ने आरोपी फैजल खान को दिल्ली के ओखला से गिरफ्तार किया है। पुलिस अन्य आरोपियों की तलाश कर रही है। बता दें कि 29 अक्तूबर को दोपहर करीब साढ़े 12 बजे दिल्ली निवासी फैजल खान, मोहम्मद चांद अपने साथियों आलोक रतन और नीलेश गुप्ता के साथ नंदबाबा मंदिर पहुंचे थे। इस दौरान चारों ने सेवायत कृष्ण मुरारी गोस्वामी उर्फ कान्हा से भेंट की।

देश को तकनीकी क्षेत्र में आगे बढ़ाने का लक्ष्यः डॉ निशंक

नयी दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय शिक्षा मंत्री रमेश पोखरियाल निशंक ने अनुसंधान और विकास की दिशा में किये गए कार्यों का जिक्र करते हुए सोमवार को कहा कि भारत हमेशा से ज्ञान, विज्ञान और तकनीकी के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रयास करता रहा है। डॉ निशंक ने एनआईटी सिलचर के 18 वें वार्षिक दीक्षांत समारोह में कहा कि शोध और विकास किसी भी विकासशील देश के मजबूत स्तंभ हैं। एनआईटी सिलचर हमेशा से इस दिशा में योगदान देता रहा है और इसके 56 विभिन्न राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय प्रोजेक्ट इस बात के सबूत हैं। इसके अलावा इस संस्थान ने साइबर फिजिकल सिस्टम मिशन पर आधारित एक टेक्नोलॉजी इनोवेशन हब भी बनाया है। उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के बारे में कहा, इस वैश्वीकृत विश्व में ग्लोबल माइंडसेट के साथ हमारी यह नीति इंडियन, इंटरनेशनल, इफैक्टफुल, इंटरएक्टिव और इंक्लूसिविटी के तत्वों को एक साथ समाहित करती है जो हमारे छात्रों के लिए फायदेमंद साबित होंगे और हमारी स्टडी इन इंडिया पहल को गति देगी। केंद्रीय मंत्री ने पेटेंट के बारे में जिक्र करते हुए कहा, अगर हम अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तुलना करें, तो भारत पेटेंट के मामले में कुछ पीछे है और इसके लिए हमें उस खाई को पाटने की जरूरत है जिसको ध्यान में रखते हुए नेशनल रिसर्च फाउंडेशन (एनआरएफ) की स्थापना की जा रही है। उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है कि मेक इन इंडिया, स्किल इन इंडिया और डिजिटल इंडिया जैसे कैंपेन का उपयोग करके हम अपनी प्रतिभाओं को मौका देकर आत्मनिर्भर भारत के सपने को साकार करें। अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) के अध्यक्ष प्रो अनिल डी सहस्रबुद्धे ने कहा, शिक्षण समुदाय और छात्रों के बीच संपर्क होना बेहद जरूरी है और यह अटल अकादमियों और आठ मॉड्यूलों के अनिवार्य प्रमाणन प्रोग्रामों के तहत फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्रामों द्वारा प्राप्त किया जा सकता है।

अफगानिस्तान में आतंकी हमला

काबुल यूनिवर्सिटी में फायरिंग में 20 छात्रों की मौत,सेना ने तीनों आतंकियों को मार गिराया

काबुल, एजेंसी। अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में सोमवार को आतंकियों ने बड़ा हमला किया। काबुल यूनिवर्सिटी में लगे बुक फेयर में घुसे 3 बंदूकधारियों ने छात्रों पर अंधाधुंध गोलियां बरसानी शुरू कर दीं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस हमले में कम से कम 20 छात्रों की मौत हुई है। 40 घायल हैं। अफगान गृह मंत्रालय के प्रवक्ता ने बताया कि सुरक्षाबलों ने तीनों हमलावरों को मार गिराया है।

स्थानीय मीडिया के मुताबिक, यूनिवर्सिटी के उत्तरी गेट पर धमाका होने के बाद गोलीबारी शुरू हुई। न्यूज चैनलों पर चल रही फुटेज में कई छात्र यूनिवर्सिटी परिसर के अंदर बचने के लिए भागते हुए दिख रहे हैं। सुरक्षा बल

अंदर फंसे छात्रों को निकाल रहे हैं। अब तक किसी संगठन ने हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। तालिबान का कहना है कि इस हमले में उसके सदस्य शामिल नहीं हैं। घटना के बाद हाई काउंसिल फॉर नेशनल रिकॉन्सिलेशन के प्रमुख अब्दुल्ला अब्दुल्ला ने ट्वीट किया कि मैं काबुल में किए गए कायरतापूर्ण आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा करता हूं। शिक्षण संस्थानों को निशाना बनाना जघन्य अपराध है। छात्रों को शांति से पढ़ाई करने का अधिकार है। पीड़ितों और उनके परिवारों के प्रति मेरी गंभीर संवेदना है।

एमपी चुनावः प्रचार खत्म होने के 18 घंटे बाद कमलनाथ को कोर्ट से राहत

नयी दिल्ली, एजेंसी। मध्य प्रदेश की 28 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव में पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ से स्टार प्रचारक का दर्जा छीनने के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने आज सुनवाई करते हुए चुनाव आयोग के आदेश पर रोक लगा दी है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यह आपके अधिकार क्षेत्र में नहीं है। बता दें कि कांग्रेस का तर्क था कि स्टार प्रचारक का दर्जा चुनाव आयोग नहीं देता है। यह पार्टी तय करती है, तो चुनाव आयोग उससे यह कैसे छीन सकता है। इससे पहले, राज्यसभा सांसद विवेक तन्खा ने कहा कि चुनाव आयोग की कार्रवाई अलोकतांत्रिक है। आयोग ने बिना नोटिस दिए कमलनाथ को स्टार प्रचारक की सूची से अलग कर दिया। इसे लेकर कांग्रेस ने ई-फाइल के जरिए कोर्ट में याचिका दायर की थी। सुप्रीम कोर्ट दो दिन अवकाश के कारण बंद होने के बाद सोमवार को खुला था। चुनाव आयोग ने शुक्रवार को जारी आदेश में कहा, %आदर्श आचार संहिता के बार-बार उल्लंघन और उसके लिए जारी की गई सलाह की अनदेखी करने के लिए आयोग ने कमलनाथ का स्टार प्रचारक का दर्जा खत्म करने का निर्णय लिया है। मंत्री इमरती देवी को 'आइटम' कहना और सीएम शिवराज सिंह चौहान के लिए 'नौटंकी का कलाकार' जैसे शब्दों का इस्तेमाल करने पर कमलनाथ से चुनाव आयोग ने स्टार प्रचारक का दर्जा छीन लिया। इसमें कहा गया कि कमलनाथ को कई बार चेताया गया, लेकिन उन्होंने इस ओर ध्यान नहीं दिया। चुनाव प्रचार थमने के दो दिन पहले स्टार प्रचार का दर्जा हटने से उम्मीदवार पर इसका सीधा असर पड़ता। असल में चुनाव में स्टार प्रचारक की हवाई यात्रा, चुनाव सभा का खर्च पार्टी के खाते में जुड़ता है। लेकिन, चुनाव आयोग के इस फैसले के बाद अब कमलनाथ की सभाओं का खर्च और प्रचार के लिए की गई हवाई यात्रा का खर्च भी प्रत्याशी के खाते में ही जोड़ा जाता। इससे उम्मीदवार का खर्चा बढ़ जाता। हालांकि अब राज्य में चुनाव प्रचार थम गया है।

पीवी सिंधु रिटायर नहीं हो रहीं

नयी दिल्ली, एजेंसी। भारतीय शटलर और ओलिम्पियन पीवी सिंधु ने सोमवार को अपने एक ट्वीट से सबको चौंका दिया। पहले तो उन्होंने बड़े अक्षरों में लिखा- I RETIRE इसे देखकर लोगों ने कयास लगाना शुरू कर दिया कि वे खेल से संन्यास ले रही हैं, लेकिन उनके ट्वीट में एक और पेज था, जिस पर उन्होंने लिखा था कि वे निगेटिविटी, थकान, डर और अनिश्चितता से रिटायरमेंट ले रही हैं, न कि खेल से। सिंधु ने यह ट्वीट लोगों को कोरोनावायरस के प्रति जागरूक करने के इरादे से किया था। उन्होंने ट्वीट में आगे लिखा, 'यह महामारी मेरे लिए आंख खोलने वाली रही। मैं विरोधियों से लड़ने के लिए कड़ी मेहनत कर सकती हूं। पुरजोर ताकत के साथ आखिरी शॉट लगा सकती हूं। मैंने पहले भी ऐसा किया है, मैं फिर कर सकती हूं, लेकिन नजर न आने वाले इस वायरस को कैसे शिकस्त दूं, जिसने पूरी दुनिया को जकड़ रखा है। घर

में रहते महीनों हो गए और हर बार बाहर जाने के लिए हम खुद से सवाल करते हैं। इन सभी चीजों का एहसास करते हैं और ऑनलाइन इतनी दिल टूटने वाली कहानियां पढ़ीं कि अपने आप से सवाल करने लगी हूं कि हम कहां जी रहे हैं। डेनमार्क ओपन में भारत की अगुआई नहीं करना आखिरी स्ट्रॉ था। 24 साल की पीवी सिंधु 2019 में बैडमिंटन में भारत की पहली वर्ल्ड चैंपियन बनी थीं। उन्होंने फाइनल में 2017 की चैंपियन जापान की नोजोमी ओकुहारा को हराया था। यह सिंधु का वर्ल्ड चैंपियनशिप में 5वां मेडल था। वे ऐसा करने वाली दुनिया की दूसरी महिला खिलाड़ी हैं। उन्होंने 1 गोल्ड, 2 सिल्वर, 2 ब्रॉन्ज जीते हैं। ओलिंपिक में सिल्वर मेडलिस्ट सिंधु ने डेनमार्क ओपन से नाम वापस ले लिया था। हालांकि, बाद में कोरोना के कारण यह टूर्नामेंट अनिश्चितकाल के लिए टाल दिया गया था। पहले यह टूर्नामेंट 13 से 18 अक्टूबर तक ओडेंस में होने वाला था। सिंधु हैदराबाद में चल रहे नेशनल कैम्प को छोड़कर लंदन चली गई थीं। इसके बाद अलग-अलग तरह के बयान सामने आए थे। उनके पिता का दावा था कि हैदराबाद में सिंधु सही ढंग से ट्रेनिंग नहीं कर पा रहीं थीं। नेशनल कोच पुलेला गोपीचंद को इस बारे में ज्यादा जानकारी नहीं थी। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया था कि सिंधु किसी पारिवारिक विवाद की वजह से लंदन गईं।

किसानों की जमीन का उचित मुआबजा मिले नही तो सड़क से संसद तक होगा संघर्षः पवन पांडेय

अयोध्या । एयरपोर्ट के लिए अधिग्रहित की जा रही जमीन का मामला एक बार फिर तूल पकड़ने लगा है। इस मामले में आज प्रभावित गांवों की महिलाओं ने सड़क पर उतरकर सरकार विरोधी नारे लगाए और न्याय दिलवाने की मांग उठाई। आज धर्मपुर, गंजा कुटिया व कुशवाहा की तमाम महिलाओं ने हाथों में तख्तियां लेकर सरकार विरोधी नारे लगाए और कहा कि अगर उनकी जमीनों पर जबरन कब्जा किया गया तो सरकार को इसका खामियाजा भुगतना पड़ेगा।

इस मौके पर महिलाओं ने जमीन का उचित मुआवजा देने की बात भी कही। समाजवादी पार्टी ने पहले ही इस मामले में कड़ा रुख अख्तियार करते हुए यह कहा है कि किसानों की जमीन का अगर उचित मुआवजा नहीं मिला तो पार्टी सड़क से लेकर संसद तक संघर्ष करेगी।आज पूर्व मंत्री तेज नारायण पांडे पवन ने आंदोलित महिलाओं का समर्थन करते हुए कहा कि उनकी सभी मांगें जायज हैं, किसानों की जमीनों पर सरकार जबरन कब्जा करके उनकी जमीनों का मनमाना मुआवजा नहीं दे सकती। श्री पांडे ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के कार्यकाल में तमाम किसानों की जमीनों को लेकर विकास कार्य कराए गए थे लेकिन लेकिन सारी जमीनें किसानों को उचित मुआवजा देने के बाद ही सरकार ने लेकर विकास कार्य कराए। उन्होंने कहा कि वे विकास के पक्षधर हैं लेकिन किसानों की जमीनों के मुआवजे में जिस तरह से मनमानी की जा रही है यह उचित नहीं है ।श्री पांडे ने कहा कि एयरपोर्ट को शहर से बाहर कहीं भी ले जाकर बनाया जा सकता है ऐसे में किसानों की जमीनों पर जबरन कब्जा करने की सरकार की नियत को समाजवादी पार्टी बर्दाश्त नहीं करेगी।

नवागत उपजिलाधिकारी खजनी ने संभाली तहसील का कार्यभार

■ शासन के मंशानुरूप कार्य करते हुए पीड़ितों को न्याय दिलाने के साथ साथ क्षेत्र में व्यवस्था कायम रखना ही है पहली प्राथमिकता
■ उप जिलाधिकारी खजनी श्रीमती अनुज मालिक

गोरखपुर/ जनपद के दक्षिणांचल स्थित खजनी तहसील पर सोमवार 10ः00 बजे उप जिलाधिकारी खजनी ने कार्यभार संभालते ही पूरे खजनी तहसील की समीक्षा की उन्होंने बताया जितने भी भूमि से संबंधित मामले हैं उन्हें तत्काल खत्म कराया जाए वही ग्राम सभा की भूमि पर संबंधित जितने भी अवैध कब्जे संबंधित प्रकरण हैं उनके ऊपर जल्द से जल्द कार्रवाई किया जाएगा। इसके पहले उप जिलाधिकारी खजनी श्रीमती अनुज मालिक सहजनवा तहसील की एसडीएम थी उनकी पहचान उनका कार्य से लोग जानते हैं।उन्होंने बताया पीड़ित को न्याय दिलाना हमारी प्रथम प्राथमिकता रहेगी।

क्राइम ब्रांच पुलिस ने नौकरी के नाम पर ठगी करने वाले दो अभियुक्तों को खजांची चौराहे के पास से किया गिरफ्तार

गोरखपुर/शाहपुर थाने पर परिवादिनी विंध्यवासिनी दुबे ने वर्ष 2017 में मुकदमा दर्ज कराया था कि नौकरी के नाम पर उनके साथ लाखों रुपए की ठगी की गई है इस संबंध में शाहपुर थाने पर 419 420 467 468 471 149 406 506 120 बी के तहत मुकदमा पंजीकृत इस संबंध में पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार करके जेल भी भेज दिया था और मामले में पुलिस ने फाइनल रिपोर्ट लगा दी गई थी लेकिन पीड़ित उच्च अधिकारियों से संपर्क किया तो क्राइम ब्रांच को विवेचना मिली क्राइम ब्रांच की टीम ने गिरोह के 2 सदस्यों को खजांची चौराहे के पास से गिरफ्तार किया है घटना का खुलासा करते हुए एसपी क्राइम अशोक कुमार वर्मा ने बताया कि गिरोह के सदस्यों ने अब तक 40 से अधिक लोगों को नौकरी दिलाने के नाम पर ठगी कर चुके हैं जिनसे यह ढाई करोड़ की ठगी भी कर चुके हैं गिरफ्तार अभियुक्तों में संजय कुमार वर्मा सुनील कुमार वर्मा पुत्र गढ़ छोटे लाल वर्मा निवासी एलडीए कॉलोनी थाना सरोजिनी नगर लखनऊ के रहने वाले हैं दोनों सगे भाई हैं गिरोह के अन्य सदस्यों की पुलिस अभी तलाश कर रही है घटना का खुलासा करने वालों में निरीक्षक दिलीप कुमार सिंह उप निरीक्षक साहब सिंह उप निरीक्षक जनार्दन चौधरी शामिल रहे।

बस्ती उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल ने किया संगठन का विस्तार

बस्ती। बस्ती उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल की युवा शाखा ने सांगठनिक विस्तार करते हुये अरविंद चौधरी को जिला युवा उपाध्यक्ष एवं अभिषेक गुप्ता को नगर मंत्री नामित किया है। युवा शाखा के जिलाध्यक्ष अर्जित कसौधन ने नामित पदाधिकारियों को उनकी जिम्मेदारियां बताई और सांगठनिक मजबूती के साथ साथ व्यापारियों के हित के प्रति संवेदनशील रहने की सलाह दी। बस्ती उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के जिलाध्यक्ष आनंद राजपाल, सूर्य कुमार शुक्ला, धर्मेंद्र चौरसिया, अमन जयसवाल, ऋषभ गुप्ता, आदित्य कसौधन आदि पदाधिकारियों ने नये पदाधिकारियों का स्वागत करते हुये उम्मीद जताया कि उनके योगदान से संगठन मजबूत होगा और व्यापारियों की आवाज दबने नही पायेगी।

महर्षि वाल्मीकि जयंती भव्य एवं सुरूचिपूर्ण ढंग से मनायी गयी

प्रयागराज। महर्षि वाल्मीकि जयंती शनिवार को दिव्य, भव्य एवं सुरूचिपूर्ण ढंग से मनायी गयी। जनपद में चयनित 11 स्थलों/मंदिरों पर दीप प्रज्जवलन, भजन एवं वाल्मीकि रामायण के पाठ का आयोजन किया गया। चयनित मंदिरों/स्थलों में माता शान्ता-श्रृंग ऋषि मंदिर आश्रम, श्रृंगवेरपुर धाम, तहसील सोरांव, भारद्वाज आश्रम तहसील सदर, बड़े/लेटे हनुमान जी, त्रिवेणी संगम, तहसील सदर, महाभारत कालीन लाक्षागृह स्थल, तहसील हण्डिया, मनकामेश्वर मंदिर, लालापुर, तहसील बारा, दुर्वाषा ऋषि आश्रम, ककरा दुबावल, तहसील फूलपुर, ब्रम्ह सुदिष्ट धाम, परानी पुर, तहसील मेजा, श्री चक्र माधव मंदिर, अरैल, तहसील करछना, श्री आदि वेणी माधव, अरैल, तहसील करछना, श्री तक्षकेश्वर नाथ, तक्षक तीर्थ, दरियाबाद, तहसील सदर, वाल्मीकि आश्रम, गडैला तहसील करछना में वाल्मीकि रामायण का पाठ दीपदान एवं दीप प्रज्जवलन का कार्यक्रम किया गया।

यातायात माह के दूसरे दिन जाम के झाम में हांफता रहा शहर

यातायात कार्यालय पर आयोजित यातायात माह से जुड़े आयोजन की तस्वीरें जारी कर विभाग ने किया अपने कर्तव्यों का निर्वहन

गोरखपुर/सरकार यातायात व्यवस्था सुदृढ करने के लिए चाहे जितने नियम बना ले लेकिन जब तक जिम्मेदार अपने कार्यालय की आरामदायक कुर्सियों का मोह नही छोड़ेंगे तब तक व्यवस्था पटरी पर वापस नही आ सकती। वैसे तो पूरे प्रदेश में नवम्बर माह को यातायात माह के रूप में मनाने का काम यातायात से जुड़े विभागों द्वारा किया जाता है लेकिन सीएम सिटी गोरखपुर का तमगा लगाए गोरखपुर शहर में यातायात माह का कोई असर नही दिख रहा है। त्यौहार का सीजन होने और आने वाले लगन के मौसम को देखते हुए बाजारों में हो रही भीड़ के मद्देनजर असुरन चौक से काली मंदिर व मेडिकल रोड़, गोलघर, मोहद्दीपुर, घोषकम्पनी, रेती रोड़, कोतवाली रोड़ पर गुड डे बेकर्स के सामने, गीताप्रेस रोड़, रायगंज रोड, पाण्डेय हाता, घण्टाघर जैसे शहर के तमाम हिस्से जाम के झाम से हांफते नज़र आ रहे हैं। शहर के घनी आबादी वाले इलाकों में स्थिति बद से बदतर है यहां अंधाधुन व्यवसायिक निर्माण तो हुए लेकिन जीडीए और अन्य विभागों की मिलीभगत से पार्किंग की कोई व्यवस्था नहीं हो पाई जिसका खामियाजा जाम के रुप में आज जनता को भुगतना पड़ रहा है।

नौसड चौराहे से लेकर महेवा मंडी तक तो स्थिति इतनी बुरी है कि सड़क के दोनों किनारों पर या तो भार ढोने वाले छोटे वाहनों का कब्जा है या फिर ट्रक बस और यहां-वहां खड़ी लगभग एक दर्जन क्रेन ने सड़क को अपने शिकंजे में जकड़े है।

वहीं दूसरी ओर तमाम नियम कानून को ताक पर रखकर शास्त्री चौक धर्मशाला पैडलेगंज नौसर चौराहा समेत एक दर्जन स्थानों पर अवैध ऑटो चालक शहर की सड़कों पर कब्जा जमाए यातायात व्यवस्था के ताबूत में कील ठोकने का काम कर रहे हैं । हालत यह है कि ग्रामीण क्षेत्रों में चलने वाला काला और पीले रंग से युक्त टेंपो शहर की सड़कों पर फर्राटा भरते नजर आ रहे हैं जबकि नियमानुसार इन्हें शहर की सड़कों पर चलने की इजाजत नहीं है। बतादें की नवम्बर का महीना यातायात माह के रूप में मनाया जाता है। इस माह में यातायात से जुड़े विभागों द्वारा चौराहे, कस्बा गाँव एंव स्कूलो में लोगो को जाम से सुरक्षित रखने तथा सुरक्षित यात्रा करने की जानकारी देने का प्रावधान है लेकिन यातायात माह का दूसरा दिन होने के बावजूद यातायात जागरूकता का कोई अभियान सड़को पर नज़र नही आया जबकि यातायात माह पर कार्यालय स्तर पर एक कार्यक्रम के आयोजन की तस्वीरें जारी करके जिम्मेदारों ने अपनी पीठ थपथपा लिया।

एसडीएम चौरी चौरा पवन कुमार बने, प्रभार किया ग्रहण

गोरखपुर/मृदुल सरल स्वभाव के धनी 2016 बैच के पीसीएस अधिकारी पवन कुमार चौरीचौरा तहसील के उप जिला अधिकारी का प्रभार किया ग्रहण। श्री कुमार को अक्टूबर 2019 में प्रदेश सरकार ने गोरखपुर जनपद में सेवा देने के लिए भेजा था जिला अधिकारी गोरखपुर ने श्री कुमार को जनपद में विभिन्न पदों पर भेजा श्री कुमार बतौर चरगांवा ब्लॉक का (वीडियो) ब्लॉक डेवलपमेंट अधिकारी व अपर नगर मजिस्ट्रेट तथा उप जिला अधिकारी न्यायिक कैम्पियरगंज में कुशलता पूर्वक अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हुए इमानदारी पूर्वक अपनी सेवा दी आज जिलाधिकारी के विजयेंद्र पांडियन ने कर्तव्यों के प्रति निष्ठावान सरल स्वभाव के धनी मृदुभाषी पवन कुमार को उप जिला अधिकारी चौरी चौरा के पद पर नियुक्त किया। श्री कुमार ने पदभार ग्रहण करने के बाद बताया कि सरकार के महत्वाकांक्षी योजनाओं को वरीयता के आधार पर निष्पादित करते हुए अपने तहसील चौरीचौरा के अंतर्गत हर पीड़ित के समस्याओं को न्याय संगत आधार पर बिना किसी भेदभाव के निस्तारण करते हुए हर पीड़ित को न्याय देने का काम करेंगे। साथ में ही जिलाधिकारी ने चौरीचौरा उप जिलाधिकारी का प्रभार देख रहे अर्पित गुप्ता को अपर नगर मजिस्ट्रेट व खजनी उप जिला अधिकारी को सहजनवा उप जिलाधिकारी सहजनवा उप जिलाधिकारी रही ज्वाइंट मजिस्ट्रेट श्रीमती अनुज मलिक को खजनी उप जिलाधिकारी का पदभार सौंपा।

रामलीला शूर्पणखवा की नाक कटी रावण ने किया माता सीता का हरण

बस्ती। सनातन धर्मी संस्था और श्री रामलीला महोत्सव आयोजन समिति की ओर से अटल बिहारी वाजपेई प्रेक्षागृह में चल रहे श्रीराम लीला के सातवें दिन शूर्पणखा नासिका भंग, खर दूषण वध, सीता हरण, जटायु मरण सहित विभिन्न लीलालों का मंचन हुआ। भगवान लक्ष्मीनारायण के आरती से शुरू हुई रामलीला में श्री भगवान जी की आरती दशरथ गद्दी अयोध्या के महंथ बृजमोहन दास, अभय नारायण त्रिपाठी, अरविंद पाल ने किया। मुख्य यजमान सेवानिवृत्त आई एफ एस अभय नारायण त्रिपाठी ने भूमिका रखते हुये बताया कि चित्रकूट से आगे चलने पर भगवान श्रीराम ने ऋषि मुनियों के कष्ट जानकर भारतभूमि को राक्षसों से रहित करने का प्रण ले लिया था। 'निश्चर हीन करहु महि, भुज उठाई प्रण कीन्ह।।' चित्रकूट से पंचवटी के रास्ते में एक मात्र कबंध राक्षस से ही युद्ध हुआ जिसका उन्होंने बध किया। पंचवटी में यदि सूर्पनखा युद्ध करने आती तब तो ताड़का की तरह उसका भी बध ही किया

जाता किन्तु वह तो प्रणय निवेदन लेकर उपस्थित हुई थी। उन्होंने बताया कि इंडोनेशिया में बहुत ही प्रमुखता के साथ जगह जगह रामलीला का मंचन माना जाता है और दुर्भाग्य है भारत इस कला से दूर हो रहा है। कहा कि दर्शकों का उत्साह और कलाकारों का अभिनय देखकर लगता है कि यह आयोजन आगे के वर्षो में महोत्सव का रूप लेगा।

रामलीला मंचन में व्यास कृष्ण मोहन पाण्डेय, विश्राम पाण्डेय ने कथा सूत्र पर प्रकाश डालते हुये बताया कि पंचवटी में सूर्पनखा घूमते हुए पहुंचती है। वह राम-लक्ष्मण के समझ विवाह का प्रस्ताव रखती है। लेकिन श्री राम उसके छल-कपट को पहचान कर अनुज लक्ष्मण के पास भेज देते हैं। लक्ष्मण के विवाह से इंकार करने पर वह क्रोधित होकर अपने असली राक्षसी रूप में प्रकट हो जाती है। श्री राम का संकेत पाते ही लक्ष्मण ने उसके नाक-कान काट दिए। रावण की बहन सूर्पणखा की नाक कटते ही तालियों की गड़गड़ाहट से प्रेक्षागृह में गूंज उठा। नाक-कान कटने के बाद वह खर दूषण के पास जाती है। खर दूषण राम-लक्ष्मण से युद्ध करने आते हैं और दोनो ही मारे जाते हैं। शूर्पणखा के उलाहने पर पहुंचे राक्षस खर-दूषण का सिर जैसे ही धड़ से अलग हुआ तो लोगों ने पुष्पों की वर्षा शुरू कर दी। शूर्पणखा रोते हुए रावण के पास पहुंचती है और कहती है - 'अरे मूढ़ मदपान कर सोता है दिन रात, शत्रु सिर पर आ गया, नहीं तुझे क्या ज्ञात।' इसके बाद शूर्पणखा पूरा वृतांत रावण को बताती है। खर दूषण के वध के बारे में भी बताती है। तब रावण सूर्पनखा के अपमान का बदला सीता हरण करके लेने को कहता है। वह मारीच को स्वर्ण मृग बनाकर भेजता है। जब राम-लक्ष्मण उस मृग को मारने के लिए जाते हैं तब रावण साधू वेश धारण कर कपट के द्वारा सीता का हरण कर के लंका ले आता है। व्यास कृष्ण मोहन पाण्डेय ने कहा सीता लक्ष्मण रेखा नहीं लांघती तो रावण कभी हरण नहीं कर सकता था। आज भी ऐसे बहुत से मायावी रावण घूम रहे हैं, इनसे समाज को सतर्क रहना होगा। दर्शकों में आशीष दूबे, धीरेंद्र सिंह, रमेश सिंह, सुभाष शुक्ल, अखिलेश दूबे, आमोद, उपाध्याय, डॉ एस के तिवारी, रोहन दूबे, वृहस्पति पाण्डेय, बृजेश सिंह मुन्ना, आशीष शुक्ल, अनुराग शुक्ल, विवेक मिश्र, राहुल त्रिवेदी आदि शामिल रहे।

पत्नी पर अक्सर संदेह करता था पति, किया कुल्हाड़ी से हत्या

गोरखपुर/ चिलुआताल थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम सभा अमवा दौलतपुर की रहने वाली तेतरी देवी 35 वर्षीय पत्नी रविंद्र ने सुबह की भोर में ही महिला की कुल्हाड़ी से मारकर हत्या कर दी। रविवार की रात कुल्हाड़ी से हमला करके पत्नी को मौत के घाट उतार दिया। सोमवार की सुबह स्वभाविक मौत बताकर परिजनों ने दाह संस्कार की तैयारी कर ली। किसी ने इसकी सूचना पुलिस को दे दी। चिलुआताल थाना के प्रभारी नीरज राय ने आरोपी पति को गिरफ्तार कर लिया। पति ने महिला को बताया कि उसे पत्नी के चरित्र पर जादें दिन से संदेह था।

छत पर सुनी आवाज तो कर दिया हमला

पति ने पुलिस को बताया कि उसकी पत्नी चौराहे पर किराना की दुकान चलाती है इसलिए उसकी जान पहचान कई लोगों से थी। रविवार की रात घर की छत पर उसे किसी की आवाज सुनाई दी। तब लगा कि वह किसी से बात कर रही है। इसी संदेह में हमने कुल्हाड़ी से उसके ऊपर हमला कर दी और जान ले ली।

बेटी बोली नशे में थे पिता, अक्सर होता था मम्मी पापा मे झगड़ा

महिला की चार बेटियां और एक बेटा है। बड़ी बेटी ने पुलिस को बताया कि उसके पिता और मां में अक्सर विवाद होता रहता था। रात में भी उसके पिता शराब के नशे में घर लौटे थे। तब उसके बीच झगड़ा हुआ। इसके बाद ही पिता ने मां के सिर में मार दिया। परिजनों ने रात में ही महिला को अस्पताल ले गए। लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। शव को घर ले आने के बाद सुबह ही दाह संस्कार की तैयारी कर ली गई। अगल बगल के लोगों ने बताया की पति पत्नी के बीच अक्सर विवाद होता रहता था। पुलिस ने मौके से लास को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

मजबूर की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत, पत्नी पर हत्या का आरोप

आरोपित पत्नी चंद्रकला पुलिस की हिरासत में हैं

गोरखपुर/ गोरखनाथ थाना क्षेत्र के अंतर्गत लच्छीपुर मसहवा टोला निवासी पप्पू साहनी 35 वर्षीय पुत्र सुदर्शन रविवार की रात संदिग्ध हालत में मौत हो गई। मोहल्ले के लोगों का आरोप है कि महिला और उसके मायके के लोगों द्वारा की गई पिटाई से पप्पू साहनी की मौत हुई है। मिली जानकारी के मुताबिक लच्छीपुर मसहवा टोला निवासी पप्पू साहनी मजदूरी कर अपना जीवन यापन करता था। वह रोज की तरह रविवार की रात कहीं से घर लौटा। आरोप है कि किसी बात को लेकर के वह अपने दो व चार साल के बच्चे की पिटाई कर रहा था। पत्नी चंद्रकला ने विरोध किया तो वह उसे भी मारने लगा। आरोप है कि चंद्रकला ने इसकी सूचना अपने मायके में दी। कुछ ही पल बाद मायके के लोग भी पप्पू साहनी के घर पहुंच गए।जिसके बाद विवाद बढ़ गया और हुई मारपीट के दौरान पप्पू साहनी की मौत हो गई। परिवार के लोग बगैर पुलिस को सूचना दिए पप्पू साहनी को लेकर स्थानीय एक नर्सिंग होम मे गए जहां उसे डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। इसके बाद वह पप्पू साहनी शव को लेकर जिला अस्पताल पहुंचे। जिला अस्पताल में भी पप्पू साहनी को डाक्टरों ने मृत घोषित किए जाने के बाद शव को मोर्चरी में रखवा दिया गया। अस्पताल से पुलिस को सूचना दी गई। सूचना पर सक्रियहु इस पुलिस ने आरोपित पत्नी चंद्रकला को पूछताछ के लिए हिरासत में लेकर महिला थाने भेज दिया है। इस संबंध में सीओ गोरखनाथ ने कहा कि मजदूर की मौत हुई है उसका शव मोर्चरी में रखवा दिया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही पता चल सकेगा कि मजबूर की मौत कैसे हुई है।

गोरखपुर में दहाड़ेंगे शेर-योगी आदित्यनाथ ने किया ऐलान, 14 जनवरी 2021 से दिखेगा भव्य चिड़ियाघर

गोरखपुर में पिछले एक दशक से निर्माणाधीन शहीद अशफाक उल्ला खां प्राणी उद्यान का सिविल कार्य पूरा होने को कहा है। प्रमुख सचिव सुधीर गर्ग ने दो दिन पहले निरीक्षण के दौरान कहा था कि प्राणी उद्यान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का ड्रीम प्रोजेक्ट है गोरखपुर पूर्वांचल का पहला चिड़ियाघर मकर संक्रांति के दिन आम लोगों के लिए खोला जा सकता है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के गृह जनपद गोरखपुर में पीएम नरेंद्र मोदी के गृह प्रदेश गुजरात के जूनागढ़ से आए बब्बर शेर दहाड़ेंगे। प्रमुख सचिव पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग सुधीर गर्ग के निरीक्षण के बाद वन विभाग के अधिकारी लोकार्पण की तैयारी में जुट गए हैं। शहीद अशफाक उल्ला खां प्राणी उद्यान का सिविल कार्य पूरा होने को है गोरखपुर में पिछले एक दशक से निर्माणाधीन शहीद अशफाक उल्ला खां प्राणी उद्यान का सिविल कार्य पूरा होने को है। प्रमुख सचिव सुधीर गर्ग ने दो दिन पहले निरीक्षण के दौरान कहा था कि प्राणी उद्यान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का ड्रीम प्रोजेक्ट है। जिसके लिए उनके साथ शहर के लोगों ने भी लंबा इंतजार किया है। मकर संक्रांति के शुभ अवसर पर लोकार्पण के साथ ही इसे पर्यटकों के लिए खोल दिए जाने की पूरी संभावना है। चिड़ियाघर के लिए लखनऊ ,कानपुर प्राणी उद्यान एवं इटावा लायन सफारी से यहां वन्य जीव लाए जाने हैं, जिसके लिए जरूरी तैयारियां कर ली गई है। सीजेडए की अनुमति मिलते ही वन्य जीव को लाए जाने का सिलसिला शुरू हो जाएगा। 58 प्रजाति के लिए 387 वन्य जीव से गुलजार होगा प्राणी उद्यान 121,342 एकड़ में फैले प्राणी उद्यान में 34 एकड़ का प्राकृतिक वेटलैंड है। जिसमें 58 प्रजाति के 387 वन्य जीव यहां रखे जाएंगे। वन्यजीवों के लिए 35 लाड़ो का निर्माण किया गया है। बब्बर शेर, बाघ, तेंदुआ, गैड़ा, दरियाई घोड़ा, जेब्रा, स्लॉथ बियर, हिमालयन ब्लैक बियर,रहीसस मकाक,बोटनरी हॉस्पिटल, किचन फीड स्टोर, कोरेटाइन सेटर, रेस्क्यू सेंटर, इंसीनेटर हाउस, पोस्टमार्टम हाउस का निर्माण किया गया है। प्राणी उद्यान में कैफिटेरिया की आस्क, गजीबो रेस्टिंग सेड,बेचेज, टॉयलेट ब्लॉक बनाए गए हैं। इसके अलावा मनोरंजन के लिए चार थिएटर, इंटरप्रेटेशन सेंटर,सोवेनियर एरिया, पछी अवलोकन मार्ग निर्मित किया गया है। जल्दी ही टवाय ट्रेन भी संचालन के लिए उपलब्ध कराई जाएगी।

सांपघर, मछलीघर, इंडोर तितली घर बनकर तैयार

चिड़ियाघर, सांपघर और मछली घर के साथ विधि प्रजातियों के सर्प और मछलियों के साथ शुरू हो जाएगा। अधिकारियों की कोशिश इंडोर तितली घर को भी शुरू करने की है। इसके अलावा वॉक थ्रू एवियरी भी शुरू हो जाएगी। जिसमें विभिन्न जलीय पक्षी उड़ान भरते कृतिम झील में अठखेलियां करते दिखने लगेंगे।

तेंदुआ से लेकर घड़ियाल के बाड़े तैयार

तेंदुआ,हायना,स्लॉथ बियर, हिमालयन ब्लैक बियर, हॉग डियर(पाढा), ब्लैक बग (काला मृग),स्पाटेड डियर (चीतल), साम्भर, वाकिंग डियर (कांकड़) का बाड़ा आबाद हो जाएगा। इसके अलावा घड़ियाल और मगरमच्छ (कोको डाइल), फॉक्स (लोमड़ी), जैकाल (सियार),वुल्फ (भेड़िया),टर्टल (कछुआ) का बाड़ा भी आबाद हो जाएगा।

देसी विदेशी पक्षियां दिखेंगी

चिड़ियाघर में पक्षियों के बाडे भी आबाद हो चुके हैं। जिनमें रंग-बिरंगे लेडी अम्हट फीजेन्ट, गोल्डन फीजेन्ट, सिल्वर फीजेन्ट, रिंग नेक्ड फीजेन्ट, रोजी पेनिकल, पेनिकल, डंक काम्ब डक, फ्लेमिंगो, स्पाट बिल्ड डंक, स्पून बिल डक समेत 18 प्रजाति के पक्षी जल्द आ जाएंगे।

चौक में काबीना मंत्री के रिश्तेदार सहित तीन दुकानो के चोरो ने तोड़े ताले

दो साल पहले भी हुई थी काबीना मंत्री के रिश्तेदार की दुकान मे चोरी

लखनऊ, संवाददाता। दो साल मे दूसरी बार चौक थाना क्षेत्र के यहियागंज मे प्रदेश सरकार के वरिष्ठ कबीनामंत्री के करीबी रिश्तेदार की दुकान के पुलिस से बेखौफ चोरो ने ताले तोड़ तोड़ कर पुलिस की मुस्तैदी पर सवालिया निशान लगा दिए है। पुलिस से बखौफ चोरो ने दो सौ मीटर के दायरे मे एक नही बल्कि तीन दुकानो के ताले तोड़े लेकिन चोरी की वारदात को एक दुकान मे ही अंजाम दे सके।

यहियागंज बाजार मे स्थित काबीना मंत्री के रिश्तेदार कैलाश नाथ शर्मा की रद्दी की दुकान मे साल 2018 मे भी चोरी हुई थी लेकिन पुलिस चोरी की उस वारदात का खुलासा नही कर पाई जिससे चोरो का मनोबल बढ़ा और बीती रात फिर कैलाश नाथ शर्मा की रद्दी की दुकान के चोरो ने ताले तोड़ दिए। इन्स्पेक्टर चौक का कहना है कि चोरो ने दो दुकानो के ताले तोड़े है लेकिन एक दुकान से ही चोर करीब दो हजार की नकदी चोरी करने मे सफल हुए है उन्होने बताया कि सीसीटीवी कैमरे मे एक चोर की तस्वीर कैद हुई है वारदात का जल्द खुलासा किया जाएगा। जानकारी के अनुसार यहियागंज के रहने वाले रवि गुप्ता की यहियागंज बर्तन बाजार मे गुप्ता मेटल स्टोर के नाम से दुकान है उनकी दुकान के करीब ही प्रदेश सरकार के काबीना मंत्री के रिश्तेदार कैलाश नाथ शर्मा की रद्दी की दुकान है। सोमवार की सुबह जब रवि गुप्ता का पुत्र हर्षित गुप्ता अपनी दुकान खोलने आया तो दुकान के ताले टूटे हुए थे इसके अलावा कैलाश नाथ शर्मा की दुकान के ताले भी टूटे हुए थे। हर्षित द्वारा पुलिस को सूचना दी गई तो पुलिस भी मौके पर पहुँची। हर्षित गुप्ता ने बताया कि चोर उसकी दुकान से करीब दो हजार रूपए की नकदी चुरा कर ले गए है इन दो दुकानो के अलावा चोरो ने यहीं के रहने वाले बल्लू की त्रिपति मेटल स्टोर के ताले भी ताड़े लेकिन चोर उनकी दुकान के अन्दर इस लिए दाखिल नही हो सके क्यूंकि उनकी दुकान मे अन्दर से भी सेन्टर लाक लगा हुआ था जिसे चोर तोड़ पाने मे असफल रहे। डीसीपी पश्चिम देवेश पाडेण्य का कहना है कि क्षेत्र मे लगातार गश्त हो रही है पालीगान और पिकेट डियूटी लगातार चल रही है उन्होने कहा कि घटना हुई है तो घटना का जल्द खुलासा करने का प्रयास भी किया जाएगा उन्होने बताया कि दुकानो के ताले तोड़ने वाले चोरो की गिरफ्तारी के लिए सीसीटीवी कैमरो की फुटेज चेक की जा रही है वारदात का जल्द खुलासा किया जाएगा। आपको बता दे कि कैलाशनाथ शर्मा की रद्दी की दुकान मे साल 2018 मे चोरो ने ताले तोड़ कर करीब 10 हजार रूपए की चोरी की वारदात को अंजाम दिया था 2018 मे हुई चोरी की वारदात के बाद पुलिस ने यहियागंज बाजार मे रात्रि गश्त को भी बढ़ा दिया था लेकिन शातिर चोरो ने पुलिस की रात्रि गश्त की मुस्तैदी पर भी सवालिया निशान लगाते हुए एक ही रात मे तीन दुकानो के ताले तोड़ कर पुलिस को एक बार फिर से चुनौती दे डाली है हालाकि चौक पुलिस ने एक रात मे चोरो द्वारा तीन दुकानो के ताले तोड़े जाने की वारदात को चुनौती के रूप मे लिया है । इन्स्पेक्टर चौक विश्वजीत सिंह का कहना है कि दो दुकानो के ताले चोरो ने तोड़े है एक दुकान से दो हजार रूपए चोरी हुए है उन्होने कहा कि सीसीटीवी कैमरे मे एक चोर की तस्वीर कैद हुई है वारदात का जल्द खुलासा किया जाएगा।

मुनव्वर राना के खिलाफ नफरत फैलाने के आरोप में मुकदमा

लखनऊ, संवाददाता। शायर मुनव्वर राना के खिलाफ हजरतगंज कोतवाली में कथित रूप से धार्मिक आधार पर समूहों में दुश्मनी को बढ़ावा देने के आरोप में गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस के अनुसार मुनव्वर राना ने फ्रांस में एक पत्रिका में प्रकाशित कार्टून और एक व्यक्ति की हत्या के संदर्भ में एक न्यूज चौनल को साक्षात्कार दिया था जिसमें उनका बयान कथित रूप से विभिन्न समुदायों में वैमनस्य फैलाने और सामाजिक सौहार्द पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाला है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने सोमवार को बताया कि रविवार को हजरतगंज कोतवाली में तैनात एक उपनिरीक्षक ने मुनव्वर राना के खिलाफमुकदमा दर्ज कराया। उनके खिलाफधारा 153-ए (धर्म और भाषा के आधार लोगों में नफरत फैलाने की कोशिश), 295-ए (किसी वर्ग की धार्मिक भावना का अपमान करने के इरादे से किया गया दुर्भावनापूर्ण कृत्य), 505(1(बी) (जनता के बीच भय पैदा करने के इरादे से शरारत करना और अपराध के लिए प्रेरित करना), 505 (2) (नफरत पैदा करने वाला बयान देना) तथा सूचना प्रोद्योगिकी (संशोधन) अधिनियम 2008 की धारा 67 और 66 के तहत मुकदमा पंजीकृत किया गया है। राना के खिलाफमुकदमा दर्ज कराते हुए पुलिस उपनिरीक्षक ने कहा कि सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे राना के बयान से लोक शांति भंग होने की पूर्ण आशंका है। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि पुलिस ने साक्षात्कार का संज्ञान लेते हुए प्राथमिकी दर्ज की है और मामले की जांच की जा रही है।

योगी सरकार मानवाधिकारों पर बर्बरतापूर्वक तेज हमले कर रही

लखनऊ, संवाददाता। वामदलों की एक बैठक 10 विधानसभा मार्ग लखनऊ में संपन्न हुई। बैठक में कहा गया है कि उत्तर प्रदेश में भाजपा की योगी सरकार संविधान की धज्जियां उड़ाते हुए नागरिक स्वाधीनता, जनतांत्रिक अधिकार और मानवाधिकारों पर बर्बरतापूर्वक तेज हमले कर रही है, साथ ही किसानों, मजदूरों तथा मेहनतकश जनता के जीवन व उनकी जीविका को भी तहस-नहस करने में लगी है। दलितों, महिलाओं और आदिवासियों पर हमले करने वालों के योगी सरकार के रहमोकरम से हौसले बुलंद हैं। उनके उत्पीड़न व उनके विरूद्ध हिंसा में तीव्र गति से वृद्धि हुई है। इलाहाबाद हाईकोर्ट द्वारा गोहत्या निरोधक कानून का दुरूपयोग कर निर्दोषों को फंसाने तथा डा0 कफील पर लगायी गयी रासुका को मौलिक अधिकारों का हनन मानते हुए इसे निराधार बताने वाले दो फैसलों से स्पष्ट हो गया है कि भाजपा की योगी सरकार अल्पसंख्यकों को निशाना बनाकर उनके खिलाफ हिंसा व नफरत फैलाने में संविधान की धज्जियां उड़ाने की चरम सीमा पार कर गयी है। योगी सरकार की जनविरोधी नीतियों और बिगड़ी कानून व्यवस्था के खिलाफ आवाज उठाने वाले राजनैतिक दलों, सामाजिक संगठनों तथा बुद्धिजीवियों को गिरफ्तार कर उनके ऊपर फर्जी संगीन धारायें लगायी जा रही हैं। उन्हें तरह-तरह से उत्पीड़ित किया जा रहा है। अभी हाल ही में भाकपा माले के लखनऊ जिले के प्रभारी रमेश सिंह सेंगर को उनके पार्टी कार्यालय में घुसकर रात्रि में गैर कानूनी तरीके से बिना कोई कारण बताये पुलिस उठा ले गयी। माकपा राज्य कार्यालय में धरना प्रदर्शन न करने की धमकी भरी नोटिस दी गयी। वामपंथी दलों ने इन सभी परिस्थितियों पर मंथन करते हुए तय किया है कि प्रदेश की तानाशाह एवं जनतंत्र व संविधान विरोधी सरकार का जवाब देने के लिए प्रदेश में वामपंथी, लोकतांत्रिक, धर्मनिरपेक्ष दलों, सामाजिक संगठनों एवं ताकतों का एक व्यापक मंच बनाने की कोशिश को साकार करने का प्रयास किया जायेगा।

प्रदेश में अब तक करीब 5.15 लाख मीट्रिक टन हुई धान खरीद

लखनऊ, संवाददाता। खरीफ क्रय वर्ष 2020-21 में मूल्य समर्थन योजना के तहत प्रदेश में खोले गए धान क्रय केन्द्रों के माध्यम से, अब तक 515899.70 मी0टन धान किसानों से सीधे क्रय किया गया। गत वर्ष इस अवधि में 175429.45 मी0टन धान की खरीद की गयी थी। पिछले साल की इसी अवधि की तुलना में इस वर्ष लगभग 03 गुना से अधिक खरीद हुई है। इस योजना से अब तक 79905 किसान लाभान्वित हुए हैं तथा किसानों को 506.063 करोड़ रूपये का भुगतान उनके खातों में सीधे किया गया है। खाद्य एवं रसद विभाग से प्राप्त रिपोर्ट के अनुसार आज 58338.12 मीट्रिक टन धान की खरीद हुई है। धान खरीद वर्ष 2020-21 में मूल्य समर्थन योजना के अन्तर्गत इस वर्ष धान का समर्थन मूल्य धान कॉमन रू-1868 प्रति कुन्तल व ग्रेड-ए रू-1888 प्रति कुन्तल निर्धारित किया गया।

राज्यसभा के लिए उत्तर प्रदेश से दस सदस्य निर्विरोध निर्वाचित

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश से राज्यसभा की दस सीटों के लिए हुए द्विवार्षिक निर्वाचन में सोमवार को केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी समेत सभी 10 उम्मीदवार निर्विरोध निर्वाचित हो गए। सोमवार को नामांकन वापसी की आखिरी तारीख थी। इस चुनाव में भारतीय जनता पार्टी को आठ जबकि समाजवादी पार्टी और बहुजन समाज पार्टी को एक-एक सीट पर जीत मिली है। निर्विरोध निर्वाचित घोषित हुए सदस्यों को सहायक निर्वाचन अधिकारी मोहम्मद मुशाहिद सईद ने उनके प्रमाण पत्र सौंपे।

भाजपा से केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी के अलावा अरुण सिंह, नीरज शेखर, बृजलाल, हरिद्वार दुबे, गीता शाक्य, सीमा द्विवेदी और बीएल वर्मा निर्वाचित हुए हैं। समाजवादी पार्टी से प्रोफेसर राम गोपाल और बहुजन समाज पार्टी से रामजी गौतम निर्विरोध निर्वाचित हुए हैं। निर्वाचित सदस्य बृजलाल ने बताया कि उन सभी का कार्यकाल 25 नवंबर 2020 से 24 नवंबर 2026 तक रहेगा। दस सीटों के लिए कुल 11 उम्मीदवारों ने नामांकन किया था। निर्दलीय उम्मीदवार प्रकाश बजाज ने समाजवादी पार्टी के समर्थन से नामांकन पत्र दाखिल किया था लेकिन तकनीकी त्रुटि की वजह से उनका नामांकन निरस्त हो गया। राज्यसभा में उत्तर प्रदेश कोटे से 31 सीटें हैं। इनमें अब सर्वाधिक 22 सीटें भारतीय जनता पार्टी की हो जाएंगी जबकि समाजवादी पार्टी के पास पांच और बसपा के खाते में तीन सीटें रहेंगी। कांग्रेस के पास अब उत्तर प्रदेश से राज्यसभा की सिर्फ एक सीट रह जाएगी।

राजनीति से संन्यास कबूल, लेकिन बीजेपी से समझौता नहीं: मायावती

लखनऊ, संवाददाता। बसपा सुप्रीमो मायावती ने 29 अक्टूबर को दिए बयान पर सोमवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर सफाई दी है। मायावती ने ये साफकिया है कि वह बीजेपी साथ नहीं है। उन्होंने कहा कि जब तक जिंदा हूं बीजेपी से समझौता नहीं करूंगी। इस दौरान मायावती ने समाजवादी पार्टी पर जोरदार हमला बोला है। मायावती ने कहा कि मेरे बयानों को गलत तरीके से प्रचारित किया गया है। सपा ने दलित विरोधी काम किए हैं। सपा को बसपा के खिलाफ रजी साजिश में कामयाब नहीं होने देंगे। एमएलसी चुनाव में सपा को हराने के लिए बीजेपी को वोट डालने वाले बयान के बाद मायावती ने कहा कि उनके इस बयान को समाजवादी पार्टी और कांग्रेस मुसलमानों को भड़काने का षड्यंत्र कर रही है। उन्होंने मुसलामानों को आश्वासन दिया कि वह राजनीति से तो संन्यास ले सकती हैं, लेकिन भविष्य में बीजेपी से कभी गठबंधन नहीं करेंगी। मैं हार मानने वाली महिला नहीं हूं। सपा के खिलाफ किसी को भी समर्थन दे सकते हैं। मायावती ने कहा कि बसपा राज में हिंदू-मुस्लिमों का एक भी दंगा नहीं हुआ, लेकिन सपा सरकार में दंगों की भरमार रही है। इतना ही नहीं मायावती ने कहा कि सपा उम्मीदवार को जीतने नहीं देंगे। मायावती ने आगे बोलते हुए कहा कि उन्होंने जब पहले बीजेपी से गठबंधन किया था तब भी वह नहीं झुकी थीं। उन्होंने कहा कि मैंने सत्ता का त्याग कर दिया, लेकिन बीजेपी के आगे झुकी नहीं। उन्होंने कहा कि वे चार बार मुख्यमंत्री रहीं, लेकिन कभी भी हिंदू-मुस्लिम दंगा नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि बीजेपी ने उनपर दबाव डालने के लिए सीबीआई और ईडी का इस्तेमाल किया. लेकिन तब भी वे नहीं झुकीं।

सपा सांसद आजम खान की बहन घर से बेघर हुई, नगर-निगम ने किया सील

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में नगर निगम की टीम ने सोमवार को पूर्व मंत्री आजम खान की बहन निकहत अफ्लाक को आवंटित रिवर बैंक कॉलोनी के घर को सील कर दिया। यह बंगला वर्ष 2007 में मुलायम सरकार के दौरान नियमों को ताक पर रखकर आवंटित किया गया था। रामपुर के निवासी एक व्यक्ति की शिकायत पर नगर निगम ने जांच की और मकान खाली करने का नोटिस जारी किया था। नगर आयुक्त डॉ. अजय कुमार द्विवेदी की मौजूदगी में नगर निगम की टीम सोमवार को रिवर बैंक कॉलोनी पहुंची। भवन संख्या ए2/1 के मुख्य गेट का ताला बंद था। लगभग आधे घंटे तक गेट खटखटाया गया। गेट नहीं खुला तो ताला तोड़ दिया गया। बंगले के अंदर कमरों के दरवाजों पर भी ताला लटक रहा था। नगर निगम ने सभी दरवाजों पर अपना भी एक ताला लगा दिया। बंगले के पीछे एक और गेट था जो खुला मिला। अंदाजा लगाया जा रहा है कि बंगले के अंदर मौजूद लोग पीछे के गेट से बाहर निकल गए होंगे। सीलिंग की कार्रवाई के दौरान वीडियोग्राफी भी कराई गई।उधर, आजम खान की बहन ने नोटिस को साक्ष्य विहीन बताते हुए कहा था कि वह मकान पर लगातार रह रही हैं और बिजली का बिल और किराया भी जमा कर रही हैं। मगर इसके बाद नगर निगम ने शासनादेश का हवाला देते हुए कहा कि आजम खान की बहन लखनऊ की निवासी नहीं है। दूसरा यह कि नगर निगम कर्मचारी नहीं है। वहीं, नगर निगम ने नोटिस में कहा था कि आजम खान की बहन रामपुर में पढ़ाती हैं और वहीं पर रह रही हैं। आसपास के लोगों ने भी इस बात की पुष्टि की थी कि मकान में ताला लगा रहता है। उन्हें 15 अक्टूबर को नोटिस जारी कर 15 दिन में आवास खाली करने को कहा गया था। मगर जब आवास खाली नहीं हुआ तो सोमवार सुबह नगर निगम की टीम ने मौके पर पहुंचकर आवास को सील कर अपने कब्जे में ले लिया।

लव जेहाद के खिलाफ योगी का फैसला सराहनीय कदम: वसीम रिजवी

लखनऊ, संवाददाता। लव जिहाद को लेकर शिया वक्फ बोर्ड के पूर्व चेयरमैन वसीम रिजवी ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा, ''बहुत दिनों के बाद समाज ने समझा है कि लव जिहाद क्या है। ये कट्टरपंथी मुसलमान नौजवानों लड़कों की सोची समझी साजिश है। जो सोशल मीडिया के माध्यम से या अन्य जरियों से बहुत सालों से चल रही है। किसी हिंदु लड़की से धोखा देकर शादी करना फिर उनके मोहब्बत के जज्बातों से खेलना फिर उनको मुसलमान बना लेना। इसको कट्टरपंथी मुसलमान सवाब समझते हैं। अगर मोहब्बत दोनों तरफसे है तो खाली लड़कियों को ही क्यों अपना धर्म बदलना पड़ता है। मैंने तो कभी नहीं सुना कि कोई लड़का किसी हिंदु लड़की की मोहब्बत में हिंदु बन गया हो। ये विचारों और धर्म की हत्या है। इसपर कानून लाना बेहद जरूरी है।'' रिजवी ने कहा, ''मुख्यमंत्री योगी जी ने जो कानून लाने की बात कही है वह वह सरकार का सराहनीय कदम है। मैं योगी जी के बात से सहमत हूँ। ऐसा कानून पूरे हिंदुस्तान में बनना चाहिए ताकि किसी के साथ कोई जुल्म और ज्यादती मोहब्बत और जिहाद के नाम पर न हो सके।''बीते दिनों योगी आदित्यनाथ ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के आदेश का हनवाला देते हुए कहा था कि शादी विवाह के लिए धर्म परिवर्तन जरूरी नहीं है। सरकार ने फैसला किया है कि लव जिहाद को सख्ती से रोका जाएगा। इसके लिए प्रभावी कानून बनाए जाएंगे। उन्होंने चेतावनी दी कि जो लोग नाम छिपाकर बहु-बेटियों की इज्जत से खिलवाड़ करते हैं, वे अगर सुधरे नहींतो 'राम नाम सत्य है' की अंतिम यात्रा निकलने वाली है।

कांग्रेस की पूर्व सांसद अनु टंडन सपा में हुई शामिल, अखिलेश ने किया स्वागत

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के उन्नाव से कांग्रेस की सांसद रह चुकीं अनु टंडन ने सोमवार को समाजवादी पार्टी की सदस्यता ग्रहण कर ली। इसकी जानकारी खुद सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने दी है। अखिलेश यादव ने ट्वीट कर लिखा कि, ÷पूर्व सासंद अनु टंडन जी का समाजवादी पार्टी की सदस्यता ग्रहण करने पर हार्दिक अभिनंदन एवं स्वागत! गौरतलब है कि अनु टंडन ने एक ट्वीट कर बताया था कि उन्होंने कांग्रेस से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने आगे लिखा कि दुर्भाग्यवश प्रदेश नेतृत्व के साथ कोई तालमेल ना होने के कारण मुझे कई महीनों से काम में उनसे कोई सहयोग प्राप्त नहीं हो रहा। टंडन ने कहा कि 2019 का चुनाव हारना मेरे लिए इतना कष्टदायक नहीं रहा, जितना पार्टी संघठन की ताबाही और उसे बिखरते हुए देखकर हुआ। प्रदेश का नेतृत्व सोशल मीडिया मैनेजमेंट और व्यक्तिगत ब्रांडिंग में इतना लीन है कि पार्टी व मतदाता के बिखर जाने का उनको कोई इल्म नहीं है।

7 विधानसभा सीटों पर आज होगा मतदान,पोलिंग पार्टियां हुई रवाना

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश की 7 विधानसभा सीटों पर होने वाले उपचुनाव के लिए कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच मतदान कल 3 नवम्बर को कराया जाएगा। मतदान सुबह सात बजे से शाम छह बजे तक होगा। स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव के लिए पोलिंग पार्टी और अर्द्धसैनिक बल सभी विधानसभा क्षेत्र में आज सुबह रवाना हो गए। शाम तक सभी पोलिंग पार्टी के पीठासीन अधिकारी को अपने पहुंचने तथा मतदान केंद्र पर सभी जरूरी तैयारी के बारे में जिला निर्वाचन अधिकारी को रिपोर्ट देनी होगी। विधानसभा के 2017 में हुए चुनाव में इन सीटों पर 56 प्रतिशत से लेकर 76 प्रतिशत तक मतदान हुआ था। लेकिन उपचुनाव में मतदाताओं की दिलचस्पी कुछ कम होती है। कोरोना काल में प्रत्याशियों और उनके दलो के लिए मतदान कराना बड़ी चुनौती होगी। अमरोहा के नौगंवा सादात, बुलंदशहर, फिरोजाबाद की टुंडला, उन्नाव की बांगरमऊ, कानपुर की घाटमपुर, देवरिया और जौनपुर की मल्हनी सीट पर उपचुनाव हो रहा है। इनमें छह सीट भारतीय जनता पार्टी और एक सीट समाजवादी पार्टी के पास थी। पहली बार विधानसभा उपचुनाव लड़ रही बहुजन समाज पार्टी की अध्यक्ष मायावती और समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने मतदाताओं से अपने प्रत्याशियों के पक्ष में वोट देने की अपील मतदाताओं से की है। हालांकि मायावती ने उपचुनाव में प्रचार नहीं किया है।

प्रियंका गांधी का तंज, बीजेपी अपने पूंजीपति मित्र को दीवाली में गिफ्ट करेगी 6 एयरपोर्ट

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ के चौधरी चरण सिंह हवाई अड्डे का संचालन आज से अडानी ग्रुप करेगा। अडानी ग्रुप के पास इस एयरपोर्ट की जिम्मेदारी अगले 50 साल तक होगी। इस पर सोमवार को कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने ट्वीट करके भाजपा पर जोरदार हमला बोला। प्रियंका गांधी ने अपने ट्वीट में लिखा कि भाजपा का जनता को दीवाली का गिफ्ट। भयंकर महंगाई भाजपा का अपने पूंजीपति मित्र को दीवाली गिफ्ट। उन्होंने कहा कि 6 एयरपोर्ट पूंजीपतियों का साथ, पूंजीपतियों का विकास। बता दें कि लखनऊ के चौधरी चरण सिंह एयरपोर्ट के लिए अडानी ग्रुप के साथ हुए करार के मुताबिक शुरुआती तीन साल तक अडानी समूह के अधिकारी एयरपोर्ट प्रशासन के साथ काम करेंगे। 34 साल पुराने इस हवाई अड्डे को सरकारी और खास उद्योगपतियों के इस्तेमाल के लिए सन 1986 में बनाया गया था। जबकि 17 जुलाई 2008 को इस एयरपोर्ट को यात्रियों के लिए शुरू किया गया। उसके बाद मई 2012 में लखनऊ एयरपोर्ट को अंतरराष्ट्रीय स्तर का दर्जा मिला। आज लगभग 160 से अधिक विमानों का यहां से संचालन होता है और 55 लाख से अधिक यात्री सालाना यहां से सफर करते है।

लेफ्टिनेंट जनरलन वदीप सिंह लांबा सेवा निवृत्त

लखनऊ, संवाददाता। लेफ्टिनेंट जनरलन वदीप सिंह लांबा, पीएचसी, कमांडेंट, एएमसी सेंटर एंड कॉलेज, लखनऊ और ओआईसी रिकॉर्ड्स 31 अक्टूबर 2020 को सक्रिय सेवा से सेवानिवृत्त हो गए। अपनी सेवानिवृत्ति के दिन, लेफ्टिनेंट जनरल नवदीप सिंह लांबा, पीएचएस, कमांडेंट, एएमसी सेंटर एंड कॉलेज, लखनऊ और ओआईसी रिकॉर्ड्स ने 31 अक्टूबर 2020 को एएमसी सेंटर और कॉलेज में वॉर मेमोरियल पर माल्यार्पण कर आर्मी मेडिकल कोर के बहादुर सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित की जिन्होंने अपने कर्तव्य की लाइन में सर्वोच्च बलिदान दिया। इस समारोह में सेना चिकित्सा कोर के अधिकारियों, जूनियर कमीशंड अधिकारियों और जवानों ने भाग लिया। इससे पहले, लेफ्टिनेंट जनरल नवदीप सिंह लांबा ने 29 अक्टूबर 2020 को एएमसी सेंटर एंड कॉलेज के ओपन एयर ऑडिटोरियम में एक विशेष सैनिक सम्मेलन को भी संबोधित किया।

बुंदेलखंड के किसानों की बदहाली के लिये योगी सरकार जिम्मेदार:अजय कुमार लल्लू

❑ निजी नलकूप के लिये जुलाई से सब्सिडी नही दे रही सरकार- अजय कुमार लल्लू ❑ सरकारी सब्सिडी न मिलने से नहीं हो रहा नलकूप कनेक्शन- अजय कुमार लल्लू ❑ कर्ज, बीमा कंपनियों की लूट से बुंदेलखंड में हो रही हैं किसानों की आत्महत्याएं- अजय कुमार लल्लू

लखनऊ। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष श्री अजय कुमार लल्लू ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र लिखकर कहा है कि बुंदेलखंड के किसानों पर दोहरी मार पड़ रही है एक तरफ प्राकृतिक आपदा दूसरी तरफ राज्य सरकार के दोहरे चरित्र एवं किसान विरोधी रवैये के चलते किसानों की स्थिति दयनीय होती जा रही है, किसानों को सिंचाई के वास्ते निजी नलकूपो के कनेक्शन पर समस्त औपचारिकता पूर्ण करने एवं बिजली विभाग द्वारा सत्यापन हो जाने के बाद भी विगत जुलाई माह से सरकार द्वारा पूर्व निर्धारित सब्सिडी न मिलने से फसलों की सिंचाई के संकट का सामना करना पड़ रहा।

प्रदेश अध्यक्ष श्री अजय कुमार लल्लू ने मुख्यमंत्री को लिखे पत्र में कहा है कि 530 किसानों द्वारा सामान्य योजना के अन्तर्गत निजी नलकूप के लिये आवेदन किया था बिजली विभाग द्वारा किसानों से औपचारिकताएं पूर्ण कराने व सभी शर्तो को मंजूर करने के बाद भी सरकार द्वारा मात्र 68 हजार की सब्सिडी उपलब्ध न कराने के चलते निजी नलकूप कनेक्शन नही हो पाये जिस कारण वे फसलों की सिंचाई की समस्या से दो चार होने को विवश हो रहे है यही नही सरकार की किसान विरोधी मानसिकता, प्राकृतिक आपदा में राहत न मिलने, बीमा कंपनियों द्वारा किसानों से प्रीमियम वसूल कर भाग जाने, खराब बीज, छुट्टा जानवरो के कारण चैपट हुई फसलों के लिये सरकारी राहत न मिलने ऊपर से बैंकों व साहूकारों के कर्ज के बोझ तले दबकर बुंदेलखंड के किसान आत्महत्या करने के लिये विवश होते रहे है। वही परिस्थितियां आज भी किसानों के सामने हैं किंतु जुमलेबाजी कर किसानो के साथ छल करने वाली भाजपा सरकार के एजेंडे में किसानों के लिये न जगह है न चिंता है। उन्होंने कहा कि बुंदेलखंड के किसानों के साथ सरकार द्वारा घोर अन्याय किया जा रहा है मात्र 68 हजार रुपये की छोटी सी धनराशि सरकार से न मिलने के कारण किसानों की जमा पूंजी अटक गई है वही उनकी कृषि पर संकट है जिससे उनके परिवार घोर आर्थिक संकट का सामना कर आत्महत्या के लिये विवश हो सकते हैं। आर्थिक संकट में गहरे फंसे किसानों पर बैंकों व साहूकारों का कर्ज अदायगी के लिये दबाव निरन्तर बना हुआ है किंतु सरकार को उनकी चिंता नही है, कृषि बीमा करने वाली कम्पनियों की लूट को भी सरकार ने अनदेखा कर किसानों को बदहाली के लिए विवश कर दिया है। प्रदेश अध्यक्ष श्री अजय कुमार लल्लू ने मुख्यमंत्री को लिखे पत्र में किसानों को तत्काल सब्सिडी उपलब्ध कराने व उनको राहत पैकेज देने की मांग की है उन्होने कहा कि कांग्रेस किसानों के साथ हर दुख दर्द में खड़ी है उनके लिये संघर्ष करती रहेगी।

डीएम ललितपुर की पत्नी के विडियो की महिला आयोग से जाँच की मांग

लखनऊ, संवाददाता। एक्टिविस्ट डॉ नूतन ठाकुर ने आज राष्ट्रीय महिला आयोग से आईएएस तथा डीएम ललितपुर ए दिनेश कुमार की पत्नी राजकुमारी द्वारा जारी किये गए .36 मिनट के एक वीडियो की जाँच की मांग की है। इस वीडियो में दिनेश कुमार की पत्नी राजकुमारी रोते हुए पति और ससुराल के लोगों पर उत्पीड़न का आरोप लगाते हुए मदद की गुहार लगा रही थीं. वीडियो में त्रज्कुमारी ने आरोप लगाया था कि उनके पति तथा उनकी सास उन्हें बहुत तेज मारते हैं, बहुत टार्चर करते हैं, दहेज के लिए परेशान कर रहे हैं, दूसरी शादी करना चाहते हैं आदि। बाद में राजकुमारी ने अपना बयान बदल लिया तथा इसे अपना व्यक्तिगत मामला बताया, नूतन ने कहा कि एक डीएम तथा एक आईएएस अफसर द्वारा इस प्रकार की हरकतें किये जाने को उनका व्यक्तिगत मामला नहीं माना जा सकता है. जिले के डीएम द्वारा महिला उत्पीड़न किया जाना अत्यंत गंभीर प्रकरण है।

अपना चुनाव और उनका चुनाव

चुनाव किसी भी लोकतंत्र का आधार-स्तंभ होता है. हर चुनाव लोकतंत्र को समृद्ध कर जाता है. लोकतांत्रिक व्यवस्था ने सत्ता परिवर्तन को सहज कर दिया है. भारत में चुनाव कुंभ के मेले सरीखे हैं, जिसमें हर रंग मौजूद हैं. कोरोना काल में एक ओर जहां बिहार में चुनाव हो रहे हैं, तो दूसरी ओर अमेरिका में भी राष्ट्रपति का चुनाव है. भारत पर नजर डालें, तो चुनाव की इतनी व्यापकता एवं विविधता की मिसाल दुनियाभर में कहीं नहीं है. कोरोना से जूझती दुनिया में बिहार देश का पहला प्रदेश है जो कोरोना को पराजित करते हुए लोकतंत्र के पर्व में शामिल हो रहा है. कुछ अन्य प्रदेशों में भी उपचुनाव हो रहे हैं. लेकिन जिसे सही मायनों में चुनाव कहें, तो वे बिहार में ही हो रहे हैं. बिहार में चुनाव तीन चरणों में हैं और पहले चरण के लिए मतदान सकुशल संपन्न हो गया. पहले चरण में मतदाताओं के उत्साह के आगे कोरोना का भय फीका पड़ गया. चुनाव आयोग के अनुसार, पहले चरण की 71 सीटों पर 54.26 फीसदी मतदान हुआ, जबकि 2015 के विधानसभा चुनाव में इन सीटों पर 54.75 फीसदी मतदान हुआ था. दो चरण अभी बाकी हैं. सबके अपने-अपने कयास हैं. नतीजों को लेकर नेताओं और पार्टी समर्थकों की धड़कनें तेज हैं. कोरोना काल की बंदिशों के कारण ये चुनाव सभी दलों के लिए चुनौतीपूर्ण हैं. चुनाव आयोग के लिए भी यह कड़े इम्तिहान सरीखा है. हर पार्टी के लिए चुनाव प्रतिष्ठा का प्रश्न होते हैं और पार्टियां पूरी ताकत झोंक कर उसे जीतने की कोशिश करती हैं. यही वजह है कि सभी राजनीतिक दल अपने चुनावी अस्त्रागार में से किसी अस्त्र को दागने से नहीं चूकते हैं. अंतिम दौर तक आते-आते बात मुद्दों तक नहीं रह जाती. आखिर में हर चुनाव में नेताओं की बयानबाजी राजनीतिक मर्यादा को तार-तार कर देती है. बिहार भी इससे कुछ अलग नहीं है. इसमें दो राय नहीं है कि बिहार का इतिहास है कि वह कभी हार नहीं मानता.

जीवन में प्रयोग का आग्रह ही बिहार के समाज को अलग खड़ा करता है. जब-जब समाज के सामने मुश्किल हालात पैदा हुए, बिहार ने रास्ता दिखाया है. आज भी बड़े लेखक, विचारक, प्रशासक और मेधावी युवक उपलब्ध कराने का सिलसिला जारी है. बिहार के पास युवा आबादी है, हुनर है. लेकिन विकास के पहिये को और तेजी से आगे ले जाने की जरूरत है. बिहार अपनी अनेक बुनियादी समस्याओं को हल नहीं कर पाया है. कई क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धि के बावजूद बिहार प्रति व्यक्ति आय के मामले में पिछड़ा हुआ है. बिहार अब भी शिक्षा, स्वास्थ्य, बिजली और पानी की समस्या से जूझ रहा है. बिहार के अधिकतर लोग कृषि से जीवनयापन करते हैं. राज्य का एक बड़ा इलाका साल-दर-साल बाढ़ में डूबता आया है. कोसी और सीमांचल के इलाके को बाढ़ से आज भी मुक्ति नहीं मिल पायी है. बिहार और अमेरिकी चुनाव में कोई साम्य नहीं है. एक राज्य का चुनाव है, तो दूसरा देश के राष्ट्रपति का. दुनिया के सबसे पुराने लोकतंत्र अमेरिका में राष्ट्रपति के चुनाव के लिए 3 नवंबर को मत डाले जायेंगे. अमेरिका में चुनावों की प्रक्रिया लंबी होती है. इसमें पार्टी के अंदरूनी अधिवेशनों और प्राइमरीज के जरिये पहले उम्मीदवारों का चयन होता है. संविधान के अनुसार मतदान के लिए 3 नवंबर महीने का पहला मंगलवार तय है. इस बार यह तिथि तीन नवंबर है. नये राष्ट्रपति के शपथ ग्रहण का दिन 20 जनवरी निर्धारित है. कोरोना के कारण अमेरिका में कई मौतें हुई हैं, बावजूद इसके चुनावी सरगर्मियां खासी तेज हैं. मौजूदा राष्ट्रपति और रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप और डेमोक्रेटिक पार्टी के उम्मीदवार जो बाइडेन के बीच कड़ा मुकाबला है. ट्रंप अपने भाषणों और ट्वीट से चुनावी माहौल को गर्माये हुए हैं. अमेरिका में मतदान के तत्काल बाद मतगणना शुरू हो जाती है. अभी तक लगभग सात करोड़ मतदाता शुरुआती मतदान में अपना वोट डाल चुके हैं. इनमें से लगभग 4.5 करोड़ वोट डाक के जरिये डाले गये हैं और 2.5 करोड़ चुनावी कार्यालयों में जाकर डाले गये हैं. राष्ट्रपति ट्रंप भी अपने मताधिकार का प्रयोग कर चुके हैं. अमेरिकी चुनाव का एक और दिलचस्प पहलू यह है कि अगर आपने शुरुआत में वोट डाल दिया है, तो कुछ राज्यों में इसे बदलने की सुविधा भी उपलब्ध है. राष्ट्रपति ट्रंप ने एक ट्वीट में कहा कि उन्हें पता चला है कि कई लोग जो शुरुआती मतदान की सुविधा का फायदा उठा कर अपना मत डाल चुके हैं और अब वे अपना वोट बदलना चाहते हैं. ट्रंप ने कहा कि अधिकतर राज्यों में मतदाता ऐसा कर सकते हैं. विशेषज्ञों का मानना है कि राष्ट्रपति ट्रंप के ट्वीट के बाद स्थिति जटिल हो सकती है. दरअसल, वोट बदलने की सुविधा कुछ ही राज्यों में उपलब्ध है और उन राज्यों में भी अलग-अलग नियम हैं. विस्कोन्सिन में मतदाता तीन बार अपना वोट बदल सकते हैं, जबकि कनेक्टिकट में यह स्थानीय अधिकारियों की अनुमति पर निर्भर करता है. कुछ राज्यों में वोट एक तय तारीख तक ही बदला जा सकता है, जबकि कुछ अन्य राज्यों में ऐसा मतदान के दिन तक किया जा सकता है. पहले से ही यह अंदेशा जताया जा रहा है कि अगर ट्रंप चुनाव हार गये, तो संभव है कि वे और उनके समर्थक इसे आसानी से स्वीकार न करें और सत्ता हस्तांतरण में अवरोध पैदा कर दें. ट्रंप से जब भी इस बारे में सवाल किया गया है, तो उन्होंने कभी इसका स्पष्ट जवाब नहीं दिया है. हर देश में चुनाव की प्रक्रिया अलग होती है और हम उनके अनुभवों से फायदा उठा सकते हैं. हमारी संसदीय व्यवस्था ब्रिटेन से बहुत मेल खाती है. मुझे बीबीसी विश्व सेवा में कार्य करने के दौरान ब्रिटेन में रहने का मौका मिला था. उस दौरान हुए संसदीय चुनाव में मतदान का भी मौका मिला था. आपको जानकर आश्चर्य होगा कि ब्रिटेन में रह रहे राष्ट्रमंडल देशों के नागरिकों को भी स्थानीय और संसदीय चुनावों में वोट देने का अधिकार प्राप्त है, इसलिए एक भारतीय होने के बाद भी मैं वहां वोट डाल पाया. ब्रिटेन में चुनाव अभियान फीका जरूर होता है, मगर वह संजीदा होता है. विशाल सभाएं नहीं होती हैं और न ही जगह-जगह पोस्टर-बैनर लगाये जाते हैं. अधिकतर अभियान मीडिया के जरिये होता है. अखबारों में विज्ञापन छपते हैं, रेडियो और टीवी पर जमकर बहस होती है. मतदान के दिन छुट्टी नहीं होती और मतदान केंद्रों के सुबह आठ बजे से रात नौ बजे तक खुले रहने से आप नौकरी से वापस आकर भी मतदान कर सकते हैं.

सम्पादकीय

पॉलिसी से नीतियां गायब होना देशहित के साथ धोखाधड़ी

देश में अब चतुराई से जनमानस को गुमराह करने की राजनीति चल रही है। चुनाव आने पर पाक-चीन सीमा विवाद, आतंकवाद का मसला उछालना राजनीति का शगल बन गया है। चुनाव नहीं रहने पर जाति-धर्म, वर्ग का कार्ड खेलना आम बात है। कोई सवाल-जवाब नहीं, कोई छान-बीन नहीं, जनता, मीडिया सब मस्त हैं, कुछेक को छोड़कर सब सो रहे हैं। क्या इसी तरह लोकतंत्र चलता है?प्रयास एवं त्रुटि पद्धति या प्रयोग जो ट्रायल एंड एरर्श् के नाम से लोकप्रिय है, का आजकल देश में बोलबाला है। सब जगह यही चल रहा है ट्रायल एंड एरर यानि किसी भी काम में जानकारी, दक्षता, ज्ञान, विशेषज्ञता हो या नहीं हो, कोई बात नहीं है। कोई भी काम, योजना, अभियान, मिशन कोई भी एक बढ़िया सा नाम देकर मीडिया के हवाले से भारी-भरकम विज्ञापन के साथ प्रारंभ कर दीजिए या कर लीजिए। यदि विश्वास नहीं तो पूरा का पूरा देश देख लीजिए। त्रुटियां, गलतियां, प्रयास, प्रयोग यानि ट्रायल एंड एरर यही चल रहा है। इसे आप विकास, प्रगति, उन्नति, संवृद्धि, आधुनिकता, उत्तर आधुनिकता कुछ भी नाम दे दीजिए, क्या फर्क पड़ता है? कभी विरोध में कोई आवाज उठे तो मुद्दा बदल कर नया विषय फेंक दीजिए। आजादी के 73 सालों बाद यानि स्वतंत्रता के सातवें दशक और 21वीं सदी में देश की तमाम संस्थाएं, संगठन, समूह और सभी सरकारें (केंद्रीय, राज्य, स्थानीय) ट्रायल एंड एरर पद्धति से चल रहे हैं। कहीं कोई ठोस नीतियां, दूरदर्शी योजनाएं एवं पुख्ता कार्यक्रम नजर नहीं आता है। यह देश के लिए अहितकर एवं हानिकारक भी है। आने वाले समय में देश के लिए यह स्थिति घोर अराजकता, अव्यवस्था, अशांति, असंतोष का जनक एवं कारण दोनों बन सकती है। एक तरफदेश के करोड़ों लोगों को दो वक्त का खाना नसीब नहीं हो पा रहा है, वहां प्रयोग के नाम पर राष्ट्रीय बजट का लगातार मनमानी दुरूपयोग किया जा रहा है। इसलिए इस पर गंभीर विमर्श की जरूरत है, क्योंकि इससे सबसे बड़ा नुकसान देश की राष्ट्रीय संपदाओं की फिजूलखर्ची की है, वहीं देश बहुमूल्य प्राकृतिक साधनों एवं संसाधनों की भारी बर्बादी भी है। पिछले कुछेक सालों से देश में कारोबार, उद्योग-धंधे, रोजगार, बेकारी। अर्थव्यवस्था, शिक्षा, स्वास्थ्य, गरीबी, भुखमरी, लाचारी, बेबसी, सामान्य जनजीवन, राजनीति, समाज, विचारधारा और भी बहुत कुछ आदि को लेकर जिस तरह की स्थितियां-परिस्थितियां निर्मित हो रही हैं, वह संभलने,का संकेत दे रही हैं। नौकरशाही, अफसरशाही, बाबूओं के भरोसे देश को छोड़ दिया गया है। देश के थिंक टैंक या तो गायब हैं या उन्हें दरकिनार कर दिया गया है। पॉलिसी प्लानिंग या नीतियों, योजनाओं को लेकर कहीं कोई ठोस गंभीरता, सोच, दूरदर्शिता, दृष्टिकोण एवं दिशादर्शन नजर नहीं आता है। कोविड-19 महामारी से निपटने के मामले पर ही देख लिजिए। कोरोना संक्रमण के मामले पर देश तीसरे नम्बर पर आ चुका है, और सरकार निरर्थक मुद्दों को लेकर जनता को गुमराह करने में लगी है। जब देश में सख्त तालाबंदी-लॉकडाउन की जरूरत है, तो पूरा खोल दिया गया और जब इसकी इतनी सख्त जरुरत नहीं थी, तब सख्ती बरती गई। देश के दिल्ली समेत कई महानगरों में मानवता कराह रही है और सरकारें मास्क-मास्क, सेनेटाईजर-सोशल डिस्टेंसिंग, पीपीई-अनलॉक 1, 2, 3, 4...खेल रही है। शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार जैसे गंभीर मसलों को ले लीजिए। कोई ठोस कार्यक्रम, योजनाएं, नीतियां नजर नहीं आती हैं। कोविड-19 महामारी के बढ़ते मामलों से अब जब पोल खुलने लगी है तब आनन-फानन में तैयारियां की जा रही हैं। अब तो विकास का मुद्दा भी गायब है।

चीनी दबाव मंजूर नहीं

लगातार बैठकों और वार्ताओं के बावजूद लद्दाख क्षेत्र में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर भारत और चीन के बीच छह माह से अधिक समय से जारी तनातनी बनी हुई है. विदेश मंत्री एस जयशंकर ने वर्तमान स्थिति पर टिप्पणी करते हुए कहा है कि दोनों देशों के संबंध बेहद तनावपूर्ण हैं तथा इसे सामान्य बनाने के लिए आवश्यक है कि सीमा प्रबंधन पर द्विपक्षीय समझौतों का पूरी तरह से पालन सुनिश्चित हो. उन्होंने भारत के रुख को फिर से स्पष्ट किया है कि वास्तविक नियंत्रण रेखा की यथास्थिति में एकपक्षीय परिवर्तन भारत स्वीकार नहीं करेगा. वैश्विक महामारी के बीच चीनी सेना ने अप्रैल के बाद से ही इस क्षेत्र में भारतीय निगरानी दस्तों की गतिविधियों को बाधित करने के साथ नियंत्रण रेखा के भारतीय क्षेत्र में अतिक्रमण के अनेक प्रयास किये हैं. इस क्रम में चीन ने भारतीय सैनिकों पर हिंसक हमलों को भी अंजाम दिया है. चीनी सेना की इस आक्रामकता तथा अस्थायी सीमा के आसपास भारी मात्रा में सैन्य साजो-सामान के साथ अपनी टुकड़ियों की तैनाती के उत्तर में भारत ने भी उस क्षेत्र में समुचित बंदोबस्त किया है. नियंत्रण रेखा को मनमाने ढंग से बदलने की नीयत से चीन 2017 में सिक्किम क्षेत्र में डोकलाम में भी घुसपैठ की कोशिश कर चुका है. वास्तविकता यह है कि ऐसे अतिक्रमण वर्षों से हो रहे हैं. वर्ष 2015 में ऐसी 428 घटनाओं को दर्ज किया था, जिनकी संख्या 2019 में 663 हो गयी. इस वर्ष तो कई दशकों के बाद सैनिकों के संघर्ष और गोलीबारी की वारदात भी हो चुकी है. जैसा कि विदेश मंत्री ने रेखांकित किया है, सीमा पर तीन दशकों की शांति की वजह से वाणिज्य-व्यापार समेत अनेक क्षेत्रों में दोनों देशों के बीच सहयोग बढ़ाने में मदद मिली थी. लेकिन अब यह कहा जा सकता है कि भारत से आर्थिक लाभ प्राप्त करने के लिए चीन एक ओर द्विपक्षीय संबंधों को सुधारने की कोशिश करता रहा था, तो दूसरी ओर उसकी आक्रामकता भी बढ़ती जा रही थी. इसे कूटनीतिक धोखे के अलावा और कोई संज्ञा नहीं दी जा सकती है. भारत पर दबाव बढ़ाने तथा पाकिस्तान को तुष्ट करने के लिए वह जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के बारे में तर्कहीन टिप्पणी कर भारत के आंतरिक मामले में हस्तक्षेप करने की हरकतें भी करता रहा है. वह बरसों तक कुख्यात आतंकी सरगना मसूद अजहर का बचाव भी करता रहा था ताकि उसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिबंधित न किया जा सके. बहरहाल, भारत के प्रतिकार के बाद अब उसने भी यह समझ लिया है कि सैन्य दबाव से वह अपने स्वार्थों को नहीं साध सकेगा. जयशंकर की टिप्पणी भारत की ओर से एक चेतावनी भी है. ऐसे में तनाव समाप्त करने के लिए सीमावर्ती इलाकों में अप्रैल की स्थिति बहाल करने का ही शांतिपूर्ण रास्ता बचता है।

पुलवामा हमले पर पाक मंत्री का बयान

पाकिस्तान संसद में सरकार के एक मंत्री फवाद चौधरी ने घोषणा की है कि पुलवामा में आतंकवाद की जिस घटना के लिए दोष लगाया जाता है, वास्तव में वह पाकिस्तान की प्रतिष्ठा और उसकी शक्ति का प्रतीक है। यह हमला पाकिस्तान सेना ने ही किया था। वास्तव में हमें दिखाना था कि हम भारत में घुसकर भी हमला कर सकते हैं। वे सरदार अयाज सादिक के एक दिन पहले भारतीय वायु सेना के पायलट अभिनन्दन वर्धमान की रिहाई के सम्बन्ध में दिये गये बयान पर टीका कर रहे थे। अब भले ही वे यह कह रहे हैं कि उनके बयान को तोड़-मरोड़ कर पेश किया गया, जैसा कि आमतौर पर किया जाता है, लेकिन इमरान खान सरकार की यह दूसरी सच्चाई सामने आ गई है। अयाज सादिक का कहना था कि बालाकोट के बाद जुलाई की राजनीतिक बैठक में सेना प्रमुख कमर जावेद बाजवा के पैर कांप रहे थे। साथ ही विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी ने कहा कि भारत के विंग कमाण्डर अभिनन्दन वर्धमान को जल्द से जल्द रिहा कर देना चाहिए क्योंकि उन्हें न छोड़ने के फलस्वरूप भारत ने एक निश्चित समय पर पाकिस्तान पर हमले की धमकी दी थी, क्योंकि भारत के पास इस बात के पुख्ता सबूत थे कि पुलवामा हमला आईएसआई ने ही कराया है। पाकिस्तान अब तक निरन्तर इससे न केवल इनकार करता रहा है, बल्कि उसने उल्टा आरोप यह लगाया था कि यह आरोप पुलवामा पर उसे फंसाने के लिए लगाया जा रहा है। उसका कहना था कि वास्तव में पाकिस्तान को फंसाने के लिए भारत ने यह हमला स्वयं कराया था। अब सवाल यह है कि भारत और पाकिस्तान का विभाजन ब्रिटिश सरकार की इच्छा और भारतीय नेताओं की सहमति से कानून बनाकर हो चुका है जिसमें यह आधार तय किया गया था कि जहां-जहां मुस्लिम लीग जीती है, वह हिस्से पाकिस्तान के नाम से अलग कर दिये जायं और जहां कांग्रेस जीती है, उसे भारत को दे दिया जाय। इसी बंटवारे के सिद्धान्त पर पखतूनिस्तान भी भारत के हिस्से में आया था, सीमांत गांधी के नेतृत्व में वहां मुस्लिम लीग के बजाय कांग्रेस जीती थी, लेकिन भारत के नेताओं की यह हिम्मत ही नहीं हुई कि वे पाकिस्तान के बाहरी हिस्से में भारतीय सीमा से अलग बने क्षेत्र का संचालन कर सकें। इसलिए यह पाकिस्तान को सौंप दिया गया था, जिससे यही लगता है कि आमतौर से मुस्लिम बाहुल्य वाले इलाके पाकिस्तान के पास गये थे लेकिन फिर भी आबादी का एक बड़ा हिस्सा भारत में था। बंटवारे में अदला-बदली का प्राविधान नहीं था। इसे लेकर देश में बड़े पैमाने पर साम्प्रदायिक हिंसा और खून-खराबा भी हुआ, लेकिन पाकिस्तान बनने के बाद भारत से बहुत थोड़े लोग पाकिस्तान को पसन्द करके वहां बसने गये। बाद में उनमें से कई पुनरू असंतुष्ट हो और अपनी गल्ती मानकर वापस आ गये, क्योंकि देश के बंटवारे की कल्पना, भावना और आवश्यकता बताने वाले सावरकर सहित 1925 में तत्कालीन सरसंघ चालक और उनके सहयोगी और मित्र ही थे। मुस्लिम लीग ने तो उसके 7 वर्ष बाद 1932 में देश के विभाजन का प्रश्न उठाया क्योंकि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कल्पनाकारों का यह मानना था कि ये दो देश परस्पर विरोधी और विश्वास वाली कौमें हैं जो एक साथ रह ही नहीं सकतीं। साथ ही देश के विभाजन के बाद अखण्ड भारत की मांग भी स्वतंत्रता के बाद होने वाले प्रथम चुनाव में की गई, लेकिन चूंकि अखण्ड भारत की मांग करने वाले देश के स्वतंत्रता आन्दोलन से विरत और अंग्रेजों के साथ थे, इसलिए बहुत थोड़े लोगों का जो स्वतंत्रता आन्दोलन में रहे, उन्हीं का इस संगठन से जुड़ाव हो सका। उस समय पाकिस्तान की आवश्यकता और उसकी मांग करने वाले लोगों ने कश्मीर के प्रश्न को अपने एजेंडे में शामिल ही नहीं किया था, क्योंकि कश्मीर के राजा हरी सिंह ने भारत में विलयन करने के सिद्धान्त को ही अस्वीकार कर दिया था और पाकिस्तान के साथ दो समझौते किये थे। उनकी समझ यह थी कि मुस्लिम बहुल इलाके पर कश्मीर की अधिकतम जनता का विश्वास हासिल करके ही सत्तारूढ़ हुआ जा सकता है। केवल प्रजा परिषद ही अपना छोटा-मोटा आन्दोलन कर रही थी, लेकिन उसमें देश की स्वतंत्रता या अलग देश बनाने की मांग शामिल नहीं थी। कश्मीर का मामला तो तब उठा जब कबाइली विद्रोहियों ने राजा के खिलाफसशस्त्र आन्दोलन छेड़कर कब्जे का प्रयत्न किया, तब उन्हें भारत की आवश्यकता महसूस हुई कि उससे सहायता की याचना की जाय लेकिन तत्कालीन गवर्नर जनरल ने, जो भारतीय भाग के सर्वोच्च अधिकारी थे, जब उनके सामने सहायता का प्रश्न उठा तो उन्होंने पूछा कि क्या कश्मीर भारत का अभिन्न अंग है या स्वतंत्र देश के रूप में उसके साथ इस प्रकार की कोई संधि हुई है? क्योंकि सहायता तो तभी मिल सकती है, जब कश्मीर सहायता का पात्र बने। इस रूप में देश की आजादी के दो महीने बाद महाराजा हरी सिंह ने इन शर्तों के साथ विलय किया था कि कश्मीर अलग राज्य रहेगा और वहां का शासक गवर्नर के रूप में उनका बेटा होगा। कश्मीर और उसकी स्थिति बरकरार रहेगी, जिसे 26 अक्टूबर 1947 को तत्कालीन गवर्नर जनरल ने इस टिप्पणी के साथ अस्थायी रूप से स्वीकार किया था कि भारत की नीति राज्यों के सम्बन्ध में यही है कि वे उन्हें तभी स्वीकार करेंगे जब वह

उस क्षेत्र की जनता की इच्छाओं के अनुरूप हो। अब सवाल उठता है कि कश्मीर की जो हैसियत बन गई है, उसमें बदलाव पाकिस्तान की इच्छाओं से हो। इस सम्बन्ध में यह तर्क कि कश्मीर 86 प्रतिशत मुस्लिम बहुल क्षेत्र है, अभी उसका एक भाग आजाद कश्मीर के नाम से अलग अस्तित्व में है, यह भाग पाकिस्तान को मिलना चाहिए, लेकिन चूंकि देश का विभाजन हो चुका है जिसमें इस सिद्धान्त का समावेश ही नहीं था और न देश के विभाजन में दो राजनैतिक दलों, जातियों और धर्मों का। इसलिए आज की स्थिति यह बन गई है कि संयुक्त राष्ट्रसंघ ने युद्ध विराम रेखा के नाम पर जो रेखा खींची है, उसने संघर्ष को रोकने के लिए इसे विभाजित कर दिया है और भारत की ओर से यह संयुक्त राष्ट्रसंघ की सूची में भारत के प्रार्थनापत्र के रूप में मौजूद है, लेकिन इस पत्र में जिस जनमत संग्रह की मांग को स्वीकार किया गया है उसका प्रमुख तत्व यह है कि भारत और पाकिस्तान के प्रशासक इस क्षेत्र को संयुक्त राष्ट्रसंघ के अधिकारियों के हवाले कर देंगे जिससे वहां स्वतंत्र जनमत संग्रह कराया जा सके। पाकिस्तान ने यह क्षेत्र अपने प्रभावों से मुक्त करने के लिए कभी प्रयत्न ही नहीं किया, लेकिन सवाल यह उठता है कि क्या अब वह आतंकवादी हमले करके इन उद्देश्यों को प्राप्त कर लेगा, जो एक नयी असलियत के रूप में उभरे और सामने आए हैं। पुलवामा जिस इलाके में है वह भारतीय क्षेत्र का अंग है और भारत सरकार द्वारा ही प्रशासित है। इसलिए फवाद चौधरी जिस हमले को अपनी राष्ट्रीय अस्मिता बताते हैं, यदि यही निर्णय का आधार बन जाय तब भी यह पाकिस्तान को नहीं मिल पायेगा क्योंकि अब यह भारत का अभिन्न अंग बन चुका है और इस स्थिति में बदलाव के लिए आपसी सम्बन्ध सुधारने के लिए प्रयत्न करना होगा, लेकिन इस प्रकार के हमलों को शक्ति के बल पर जबरदस्ती किया हुआ अनुचित आतंकवादी प्रयास ही कहा जायेगा, जिसे भारत ही नहीं दुनिया का कोई ऐसा संगठन जहां अन्तरराष्ट्रीय मामलों पर फैसले होते हैं, इसे मानने को तैयार नहीं है। अगर पाक सरकार और उसके मंत्री वे पुलवामा जैसी घटनाओं का वीरता के लिए बखान करेंगे और इसकी चर्चा अपनी संसद में भी करेंगे तो पाकिस्तान में उसके विरोधियों के जो आन्दोलन चल रहे हैं, क्या उन्हें दूसरे देशों और सेनाओं का समर्थन स्वीकार किया जायेगा। इसलिए फवाद चौधरी जैसे ऐसे तत्व हैं जो वास्तव में अपनी ही प्रतिष्ठा गिराने पर उतारू हैं क्योंकि भारत-पाकिस्तान का बंटवारा ब्रिटिश संसद की स्वीकृतियों के आधार पर हुआ था। शक्ति द्वारा इसे प्राप्त करने का कोई प्रश्न अस्तित्व में नहीं आया था और न उसे मान्यता ही मिली है। इसलिए पाकिस्तान को दुनिया का आतंकवादी गतिविधि वाला राज्य कहा जाता है जो संयुक्त राष्ट्रसंघ की विचारणीय सूची में है और जिस दिन हैसियत बदली, यह दुनियाभर के लिए अस्वीकार्य बन जायेगा। और इस रूप में जो देश उसे मदद भी करते हैं, वे नहीं कर पायेंगे। इसलिए फवाद चौधरी जैसे लोग पाकिस्तान की वीरता की कहानियां जो पुलवामा जैसे कश्मीर क्षेत्र के एक छोटे से हिस्से से जुड़ी हैं, उन्हें अपनी सफलता बताकर वास्तव में वे अपना ही नुकसान कर रहे हैं।

ध्वस्त दुनिया का पुनर्निर्माण

कोविड-19 महामारी ने उस समय धावा बोला, जब हम कृत्रिम मेधा पर आधारित चतुर्थ औद्योगिक क्रांति की दहलीज पर खड़े थे. पहली औद्योगिक क्रांति (18वीं-19वीं सदी, अनिवार्यतः कारखाना प्रणाली) और दूसरी औद्योगिक क्रांति (1870-1914, अनिवार्यतः 'एसेंबली लाइन आधारित उत्पादन') के सफलतापूर्वक संपन्न होने के बाद अभी हम उत्तरोत्तर उन्नत होती डिजिटल प्रौद्योगिकी आधारित तीसरी क्रांति के दौर में हैं. गुणवत्ता और ज्ञान का फैलाव इन क्रांतियों की नींव रहा है, लेकिन चौथी औद्योगिक क्रांति के बारे में ये चीजें और भी अधिक जरूरी हैं. ज्ञान का उद्भव इसकी सशक्त अग्रवर्ती और पृष्ठवर्ती कड़ियों पर आधारित होता है. लेकिन प्राकृतिक विज्ञानों और सामाजिक विज्ञानों में संकीर्ण विशेषज्ञता शिक्षा प्रणाली के एक संकट के रूप में सामने आयी है. मजाक में ही सही, लेकिन अक्सर कहा जाता है कि बायें हाथ के विशेषज्ञ डॉक्टर दायें हाथ के बारे में नहीं जानते हैं.यह गलत समझ भी बनी हुई है कि डिजिटल उपयोगों का फैलाव किसी को 'ज्ञानमूलक समाज' में पहुंचा देगा. इसके बजाय संकीर्ण विशेषज्ञता को छोड़कर बहुमुखी एजेंडा की दिशा में बढ़ने के लिए एक बार फिर से नवजागरण जैसा आंदोलन शुरू करना होगा. लियोनार्दो द विंची हों या माइकल एंजेलो, नवजागरण के पहले के आंदोलन को आधार अनेक विशेषज्ञताओं वाले प्रतिभावान लोगों ने उपलब्ध कराया था. नवजागरण के साथ आत्मसात किये गये ज्ञान के आधार के अलावा समता को चौथी औद्योगिक क्रांति की सामाजिक संरचना का अभिन्न अंग बनाया जाना चाहिए. किसी समाज में ज्ञान की अवस्था को मापना मुश्किल होता है, लेकिन विज्ञान और प्रौद्योगिकी पर निवेश के साथ यह निश्चित तौर पर काफी अधिक जुड़ा होता है. ज्ञान के संज्ञानात्मक जगत का विस्तार करके सोवियत संघ ने अक्तूबर, 1957 में अपने पहले कृत्रिम उपग्रह स्पुतनिक को अंतरिक्ष में भेजा था. तत्काल प्रतिक्रिया करते हुए अमेरिका में नासा की स्थापना के साथ उच्च शिक्षा के लिए विद्यार्थियों को कम ब्याज पर ऋण मुहैया कर अरबों डॉलर का निवेश किया गया था. आप्रवासन के खिलाफ विस्फोटक बयानों के बावजूद वर्तमान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पूरी दुनिया के पेशेवरों के अमेरिकी विश्वविद्यालयों और कॉरपोरेट क्षेत्र में भर्ती होने की नीति को स्वीकृति दी है. ब्रिटेन में भी टोरी सरकार ने वैज्ञानिक ज्ञान के मामले में मौजूद कमियों को दूर करने के लिए आठ विश्वविद्यालयों की स्थापना की है. विकसित दुनिया इस बात को लेकर पूरी तरह जागरूक है कि शिक्षा की अग्रवर्ती (उच्च शिक्षा संबंधी) कड़ियां पृष्ठवर्ती (विद्यालयों की) कड़ियों के ढांचे पर टिकी हों. उन देशों में शिक्षा पर परिव्यय अक्सर चुनावी मुद्दा होता है. नब्बे के दशक के उत्तरार्ध में टोनी ब्लेयर ने विद्यालय व्यवस्था को मजबूत करने के मुद्दे पर चुनाव लड़ा था. अपने दूसरे कार्यकाल में उन्होंने घोषणा की कि उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता शिक्षा होगी. इसका मकसद संकीर्ण विशेषज्ञता को छोड़कर अनिवार्य रूप से नवजागरण की नींव के आधार पर बच्चों का पालन-पोषण करना था. पश्चिमी विश्वविद्यालयों में उपाधि देने के लिए आयोजित समारोहों में शिक्षा के प्रति सामाजिक प्रतिबद्धता पर हमेशा बल दिया जाता है. भारत में व्यापक शैक्षिक लक्ष्यों के अतिरिक्त बच्चों को देश की गौरवपूर्ण परंपरा से भी परिचित कराया जाना चाहिए. इससे सुनिश्चित होगा कि नवजागरण के भारतीय स्वरूप की जड़ें इसके इतिहास में गहराई से जमी हैं. बच्चों की शिक्षा के प्रति समाज की प्रतिबद्धता के दो उदाहरण देखें. जापान में एक द्वीप पर स्थित एक स्टेशन पर एकमात्र यात्री- उच्च विद्यालय की एक छात्रा- के लिए वर्षों तक ट्रेन चलती थी. हाल में, केरल में एक लड़की के लिए एक बड़ी सरकारी नौका अलप्पुजा से कांजीरम के जलमग्न खंड में इसलिए कई दिनों तक चलती रही कि वह अपनी ग्यारहवीं कक्षा की परीक्षा देने से चूक नहीं जाये. आज उत्तर अमेरिका और यूरोप के देश तथा चीन अपने 'हार्ड पावर' (सैन्य शक्ति) के बल पर नहीं, ज्ञान पर आधारित अपने 'सॉफ्ट पावर' के आधार पर शीर्ष पर हैं. यह सॉफ्ट पावर ज्ञान के अवदान के अलावा संस्कृति, कला, संगीत, फिल्म आदि को भी समाहित करता है. बिस्मार्क सिर्फ 'कोयला और लोहा' के जरिये जर्मनी का वर्चस्व नहीं स्थापित कर सके थे. मार्क्स, फ्रायड, मैक्स बेबर, बीथोवन या आइंस्टीन का सॉफ्ट पावर भी उनके पास था. भारत के संदर्भ में होमी भाभा, श्रीनिवास रामानुजन, अमर्त्य सेन, रवि शंकर, सत्यजीत राय, जुबिन मेहता और अन्य लोगों का उल्लेख किया जा सकता है. ज्ञानमूलक समाज के संदर्भ में 1996 की यूनेस्को शिक्षा रिपोर्ट लिखनेवाले जैक देलर की बातें विचारणीय हैं. रिपोर्ट में 'वैश्विक और स्थानीय, आम और खास, परंपरा और आधुनिकता, आध्यात्मिक और भौतिक, प्रतिस्पर्धा की आवश्यकता तथा अवसर की समानता के आदर्श' के बीच प्रौद्योगिकीय, आर्थिक और सामाजिक परिवर्तनों से उत्पन्न अनेक प्रकार के तनावों की पहचान की गयी है. शिक्षा संबंधी समग्रतापूर्ण दृष्टिकोण के लिए इसमें 'जीवनपर्यंत शिक्षा' की नवाचारी अवधारणा का सुझाव है।

गावस्कर बोले- 2021 IPL से पहले धोनी को डोमेस्टिक टूर्नामेंट में खेलना चाहिए

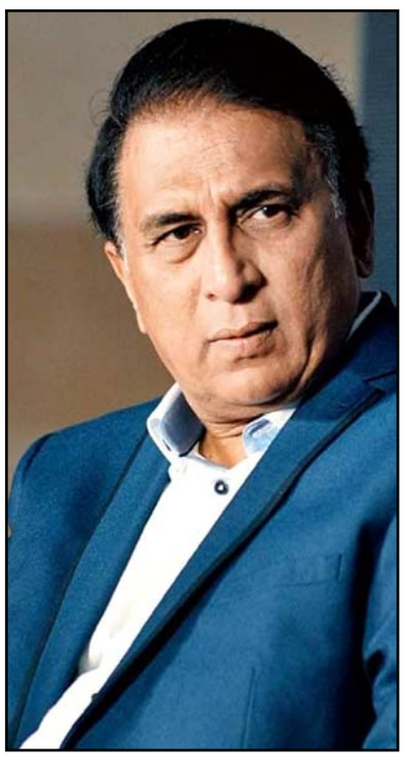

नई दिल्ली एजेंसी।

पूर्व क्रिकेटर सुनील गावस्कर ने धोनी के अगले IPL में खेलने के बयान देने के बाद कहा है कि एमएस धोनी को 2021 सीजन से पहले डोमेस्टिक सीजन में खेलना चाहिए। वह अभी भी IPL में 400 रन बनाने की क्षमता रखते हैं। गावस्कर ने स्टार स्पोर्ट्स से बातचीत में कहा वह एक करिश्माई क्रिकेटर हैं। वह अपने बल्लेबाजी और विकेटकीपिंग को इंजॉय करते हैं। वह रोल मॉडल हैं। वह अच्छे कप्तान है। अगर वे डोमेस्टिक क्रिकेट में खेलते हैं, तो वह आईपीएल के अगले सीजन में 400 रन तक भी बना सकते हैं।

संगकारा भी कह चुके हैं कि धोनी को प्रफेशनल टूर्नामेंट खेलना चाहिए

गावस्कर ने आगे कहा संगकारा पहले कह चुके हैं कि धोनी को प्रतियोगी क्रिकेट खेलना होगा। हालांकि नेट्स पर प्रैक्टिस ठीक है। लेकिन इस उम्र में अपने अपने प्रफॉरमेंस को बनाए रखने के लिए प्रतियोगिता में खेलते रहना चाहिए। क्योंकि इस उम्र में टाइमिंग ठीक नहीं रहता है। आपको देखने में लगता है कि सब कुछ ठीक है। लेकिन काफी बदलाव हो चुका होता है।'

चेन्नई ने पंजाब को 9 विकेट से हराया

रविवार को चेन्नई की किंग्स इलेवन पंजाब के खिलाफ लीग का आखिरी मैच था। चेन्नई ने पंजाब को 9 विकेट से हराया। चेन्नई पहले ही प्लेऑफ से बाहर हो चुकी है। चेन्नई ने पिछले तीनों मैचों में जीत हासिल की है।

धोनी ने टॉस के दौरान डैनी मॉरिसन ने उनसे पूछा कि क्या यह आपका IPL में यलो जर्सी में आखिरी मैच है। इस पर धोनी ने तुरंत जवाब दिया कि बिल्कुल नहीं।

जनवरी से शुरु हो सकता है रणजी ट्रॉफी

बीसीसीआई अध्यक्ष सौरव गांगुली पहले ही कह चुके हैं कि जनवरी से मार्च तक रणजी ट्रॉफी का आयोजन किया जाएगा। धोनी ने इंटरनेशनल क्रिकेट से रिटायरमेंट से 15 अगस्त को इंटरनेशनल क्रिकेट से रिटायरमेंट लेने की घोषणा की थी।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने महिला आईपीएल-2020 को लेकर किया बड़ा ऐलान, वूमन आईपीएल चार नवंबर से

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने महिला आईपीएल-2020 यानी महिला टी-20 चैलेंज को लेकर बड़ा ऐलान किया है। दरअसल, महिलाओं के इस लीग को जियो के रूप में टाइटल स्पॉन्सर मिल गया है। भारतीय महिला लीग के लिए यह ऐतिहासिक फैसला है, क्योंकि इसे पहली बार कोई ऑफिशल स्पॉन्सर मिला है। बीसीसीआई ने ऐलान करते हुए कहा कि महिला टी-20 चैलेंज का टाइटल स्पॉन्सर रिलायंस फाउंडेशन एजुकेशन एंड स्पोर्ट्स की पार्टनरशिप में जियो होगा। उल्लेखनीय है कि बीसीसीआई ने हाल ही में महिला टी-20 चैलेंजज का शेड्यूल जारी किया था। इसके चार मैच चार, पांच, सात और नौ नवंबर को शारजाह में खेले जाएंगे। बता दें कि इसमें तीन टीमें सुपरनोवाज, ट्रेलब्लेजर्स और वेलोसिटी हिस्सा लेंगी।

टॉटेनहम हॉट्सपर ने ब्राइटन को 2-1 से हराया; गेरेथ ने 7 साल बाद लीग में गोल किया

नई दिल्ली एजेंसी।

प्रीमियर लीग में रविवार को टॉटेनहम हॉट्सपर ने ब्राइटन एवं होव अल्बियन को 2- 1 से हराया। गेरेथ बेल ने 7 साल बाद टीम के लिए प्रीमियर में लीग में गोल किया है। उन्होंने 2013 में सुंदरलैंड के खिलाफ प्रीमियर लीग में क्लब के लिए आखिरी गोल किया था। वे स्पेन की क्लब रियल मैड्रिड चले गए थे। फिर से सात साल बाद टीम में वापसी करते हुए प्रीमियर लीग में खेल रहे हैं।

मैच के 70 वें मिनट में ग्राउंड पर खेलने के लिए उतरे और तीन मिनट बाद ही उन्होंने सर्जियन रेगुइलन के पास को हेड से गोल में तब्दील कर दिया। इससे पहले टीम का स्कोर 1-1 की बराबरी पर था।

धोनी की टीम पहली बार प्ले-ऑफ से बाहर, उम्रदराज पर भरोसा और युवाओं पर अविश्वास पड़ा भारी

दुबई | एजेंसी।

महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी वाली चेन्नई सुपर किंग्स (CSK) टीम के लिए IPL का 13वां सीजन सबसे खराब रहा। टीम लीग के इतिहास में पहली बार प्ले-ऑफ में नहीं पहुंच सकी और पॉइंट्स टेबल में 7वें पायदान पर काबिज है। सीएसके ने अब तक मुंबई इंडियंस (4 बार) के बाद सबसे ज्यादा 3 बार आईपीएल खिताब जीता है। चेन्नई के नाम सबसे ज्यादा 8 बार फाइनल खेलने का रिकॉर्ड भी दर्ज है। इस दौरान टीम तीन बार (2018, 2011, 2010) चैम्पियन भी रही है। हालांकि, इस बार टीम ने 14 में से सिर्फ 6 मुकाबले जीते हैं। टीम के इस खराब प्रदर्शन का जिम्मेदार कप्तान धोनी और टीम मैनेजमेंट को माना जा रहा है। जिन्होंने इस सीजन में युवा खिलाड़ियों को नजरअंदाज करते हुए उम्रदराज और अनुभवी प्लेयर्स पर सबसे ज्यादा भरोसा जताया। यही फैसला टीम के खिलाफ भी रहा। अनुभवी खिलाड़ियों में शेन वॉटसन, मुरली विजय, केदार जाधव और पीयूष चावला पूरी तरह असफल रहे। जबकि ऋतुराज गायकवाड़ और सैम करन को कम मौके मिले, लेकिन उन्होंने हर बार खुद को साबित किया।

चेन्नई टीम के 22 में से 11 रेगुलर प्लेयर 30+ उम्र के चेन्नई की टीम में शामिल 22 में से 11 रेगुलर प्लेयर की उम्र 30 से ज्यादा है। इनमें शेन वॉटसन 39, धोनी 39, इमरान ताहिर 41, फाफ डु प्लेसिस 36, केदार जाधव 35, मुरली विजय 36, अंबाती रायडू 36, ड्वेन ब्रावो 37, कर्ण शर्मा 33, रविंद्र जडेजा 31 और पीयूष चावला 31 साल के हैं।

1. धोनी की खराब फॉर्म और बैटिंग ऑर्डर

चेन्नई की खराब हालत के लिए कप्तान धोनी की खराब फॉर्म भी जिम्मेदार है। इस सीजन में धोनी रणनीति और बल्लेबाजी दोनों में जूझते हुए दिखे। सैम करन को ओपनिंग भेजने और खुद 7वें नंबर पर बल्लेबाजी करने जैसे सारे फैसले गलत ही साबित हुए। धोनी ने सीजन के 14 मैच की 12 पारियों में 200 रन बनाए हैं। इस सीजन में धोनी ने सबसे ज्यादा 6 बार 5वें नंबर पर बल्लेबाजी की। इस दौरान उन्होंने 104 बॉल पर कुल 125 रन बनाए। धोनी ने तीन बार नंबर-4, दो बार नंबर-7 और एक बार नंबर-6 पर बल्लेबाजी की। धोनी इस सीजन में एक भी फिफ्टी नहीं लगा सके। उन्होंने एक ही बार 30 से ज्यादा का स्कोर बनाया है।

2. वॉटसन, विजय, केदार जैसे प्लेयर्स पर ज्यादा भरोसा चेन्नई ने सीजन का ओपनिंग मैच मुंबई के खिलाफ खेला और जीता था। कप्तान धोनी ने अपनी बेस्ट टीम मैदान में उतारी थी, जिसमें शेन वॉटसन, मुरली विजय और केदार जाधव जैसे प्लेयर शामिल थे। धोनी ने इन प्लेयर्स को आगे भी मौका दिया, लेकिन इनके बल्ले से रन नहीं निकले और टीम को इसका खामियाजा भुगतना पड़ा। विजय शुरुआती 3 मैच में सिर्फ 32 रन ही बना सके। इसके बाद उन्हें मौका नहीं मिला। वॉट्सन और धोनी भी एक-दो मैच में ही रन बना सके। टीम के फाफ डु प्लेसिस और अंबाती रायडू ही 300 से ज्यादा रन बना सके हैं। टॉप-6 स्कोरर में धोनी, जडेजा, वॉटसन और गायकवाड़ ने 200+ रन बनाए हैं। इनके अलावा कोई भी बल्लेबाज 200 का आंकड़ा नहीं छू सके।

3. अच्छे तेज गेंदबाजों की कमी चेन्नई ने अपनी गेंदबाजी को भारतीय पिच के हिसाब से सजाया था। इसमें स्पिनर्स ज्यादा रखे गए थे, जो यूएई की पिच पर काम नहीं आए। यह बात कप्तान धोनी ने सीजन का चौथा मैच राजस्थान के खिलाफ 16 रन से हारने के बाद कही थी। धोनी ने कहा था कि यूएई की पिच के हिसाब से टीम में अच्छे तेज गेंदबाजों की कमी खली है। चेन्नई के लिए सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले टॉप-5 गेंदबाजों में सभी फास्ट बॉलर हैं। इस लिस्ट में सैम करन 13 विकेट के साथ पहले नंबर पर काबिज हैं। हालांकि, इन गेंदबाजों का प्रदर्शन टीम को जिताने जैसा नहीं रहा। 6-6 विकेट लेकर छठवें नंबर पर स्पिनर रविंद्र जडेजा और 7वें नंबर पर पीयूष चावला काबिज हैं। जडेजा ने 14 और चावला ने 7 मैच खेले हैं।

4. रैना-हरभजन का बाहर होना और ब्रावो की फिटनेस IPL का 13वां सीजन शुरु होने से पहले ही चेन्नई के स्टार बल्लेबाज सुरेश रैना और स्पिनर हरभजन सिंह ने टूर्नामेंट से नाम वापस ले लिया था। रैना तो यूएई आकर लौट गए थे। इन दोनों के हटने से भी टीम के परफॉर्मेंस पर असर पड़ा है। लीग के इतिहास में चेन्नई के लिए सुरेश रैना ने 193 मैच में सबसे ज्यादा 5368 रन बनाए हैं। वहीं, हरभजन ने 160 मैच में सबसे ज्यादा 150 विकेट लिए हैं। शुरुआती मैचों में चोट के कारण ऑलराउंडर ड्वेन ब्रावो को टीम से बाहर रहना पड़ा था। इसका भी टीम को भारी नुकसान उठाना पड़ा। चोट से उभरने के बाद ब्रावो पुरानी लय में नजर नहीं आए और 6 मैच में सिर्फ 6 विकेट ही ले सके।

5. प्ले-ऑफ से बाहर होने के बाद युवाओं पर भरोसा किया कप्तान धोनी और टीम मैनेजमेंट ने शुरुआत से ही उम्रदराज और सीनियर खिलाड़ियों पर भरोसा जताया, जो गलत साबित हुआ। टीम प्ले-ऑफ से लगभग बाहर हो चुकी थी, तब युवाओं पर भरोसा किया गया। धोनी ने टीम के 8वें मैच में सैम करन को अचानक ओपनिंग भेजा। इसमें ऑलराउंडर ने हैदराबाद के खिलाफ 31 रन की पारी खेलकर टीम को जिताया था। ऋतुराज गायकवाड़ ने टीम के दूसरे मैच से ड्रेसिंग रूम में अपना डेब्यू किया, जिसमें वे खाता नहीं खोल सके थे। उन्होंने शुरुआती 4 मैच की 3 पारियों में 13 रन बनाए।

मैच के 13 वें मिनट में हेन कैरी ने गोल कर टॉटेनह को आगे कर दिया। मैच के 56 वें मिनट में ब्राइटन ने वापसी करते स्कोर 1-1 की बराबरी कर लिया था। वहीं एक दूसरे मैच में न्यूकैसल यूनाइटेड ने एवर्टन को 2-1 से हराया। लिवरपुल 16 पॉइंट के साथ टॉप पर बरकरार है। जबकि टॉटेनहम दूसरे स्थान पर बरकरार है। और एवर्टन तीसरे स्थान पर काबिज है। वहीं आर्सेनल एफसी ने मैनचेस्टर यूनाइटेड को 1-0 से हरा दिया। पॉइंट टेबल में मैनचेस्टर यूनाइटेड 15 वें स्थान पर हैं।

सार समाचार .....

लुईस हैमिल्टन ने रोमाग्ना में जीत दर्ज कर अपने नाम की 93वीं फॉर्मला वन रेस

नई दिल्ली , एजेंसी। लुईस हैमिल्टन ने धीमी शुरुआत से उबरते हुए रविवार को एमिलिया रोमाग्ना ग्रां प्री जीतकर फॉर्मूला वन में अपने रिकॉर्ड को 93 जीत तक पहुंचाया। ग्रिड पर दूसरे स्थान से शुरुआत करने वाले हैमिल्टन ने मर्सिडीज टीम के अपने साथी वालटेरी बोटास को 5.7 सेकेंड से पछाड़ा। इसके साथ ही मर्सिडीज ने एक बार फिर टीम खिताब भी जीत लिया। रेनो के ड्राइवर डेनियल रिकियार्डो ने तीसरा स्थान हासिल किया। इमोला में 2006 के बाद पहली बार फॉर्मूला वन का आयोजन हो रहा है। तब दिग्गज ड्राइवर माइकल शूमाकर ने रेस जीती थी। हैमिल्टन ने पिछले सप्ताहांत ही शूमाकर के 91 फॉर्मूला वन जीत के रिकॉर्ड को तोड़ा था।

भारतीय ओलंपिक संघ के महासचिव राजीव मेहता कोरोना से संक्रमित, घर में हुए आइसोलेट

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) के महासचिव राजीव मेहता कोरोना वायरस से संक्रमित हो गए हैं। मेहता ने खुद इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि वह कोरोना से संक्रमित हो गए हैं और इस समय अपने घर में आइसोलेशन में हैं। खेल जगत के लोगों ने मेहता के जल्द स्वस्थ होने की कामना की हैं।

आशीष ने फ्रांस में जीता गोल्ड हिमाचली बॉक्सर ने एलेक्सिस वस्तिने इंटरनेशनल टूर्नामेंट में चमकाया नाम

सुंदरनगर, एजेंसी। सुंदरनगर के आशीष चौधरी ने फ्रांस के नातेस में आयोजित एलेक्सिस वस्तिने इंटरनेशनल बॉक्सिंग टूर्नामेंट में टोक्यो ओलंपिक क्वालिफायर बॉक्सर के 75 किलोग्राम भार वर्ग में स्वर्ण पदक जीतकर देश का नाम रोशन किया है। कोरोना महामारी के दौर में आठ माह बाद हुई अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में अपनी प्रतिभा का लोहा मनाते हुए आशीष ने शानदार प्रदर्शन किया है। आशीष ने अपनी इस जीत के उपरांत फेसबुक पेज पर लिखा कि जीत से खुश हूं। वहीं, सुंदरनगर वासियों ने आशीष चौधरी की उपलब्धि पर खुशी व्यक्त की है। जिला खेल अधिकारी मंडी ने खबर की पुष्टि की है। गौर रहे कि इससे पहले भी कई नेशनल और इंटरनेशनल प्रतियोगिता में आशीष ने हिमाचल की झोली में कई मेडल डाले हैं।

प्ले-ऑफ की दूसरी टीम का होगा फैसला

- इस मैदान पर हुए कुल टी-20: 44
- पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम जीती: 19
- पहले गेंदबाजी करने वाली टीम जीती: 25
- पहली पारी में टीम का औसत स्कोर: 137
- दूसरी पारी में टीम का औसत स्कोर: 128

दुबई | एजेंसी।

आईपीएल के 13वें सीजन का 55वां मैच दिल्ली कैपिटल्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के बीच अबु धाबी में शाम 7:30 बजे से खेला जाएगा। जीतने वाली टीम पॉइंट्स टेबल में दूसरे नंबर पर पहुंचेगी और मुंबई इंडियंस के खिलाफ 5 नवंबर को क्वालिफायर-1 खेलेगी। इस मुकाबले में हारने वाली टीम को प्ले-ऑफ के लिए सनराइजर्स हैदराबाद और मुंबई इंडियंस के बीच 3 नवंबर को होने वाले मुकाबले के नतीजे का इंतजार करना होगा।

पॉइंट्स टेबल के टॉप-4 में दोनों टीमें

पॉइंट्स टेबल की बात करें, तो बेंगलुरु 13 मैच में 7 मैच जीतकर 14 पॉइंट्स के साथ दूसरे स्थान पर है। वहीं, दिल्ली ने भी 13 में से 7 मैच जीते हैं और 14 पॉइंट्स के साथ तीसरे स्थान पर है। बेंगलुरु का नेट रनरेट दिल्ली से बेहतर है। दिल्ली ने लगातार 4 और बेंगलुरु ने 3 मैच हारे हैं।

पिछली बार दिल्ली ने बेंगलुरु को हराया था

सीजन में पिछली बार जब दोनों टीमों का आमना-सामना हुआ था, तो दिल्ली ने बेंगलुरु को 59 रन से हराया था। दिल्ली ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 6 विकेट पर 196 रन बनाए थे। जवाब में बेंगलुरु 9 विकेट पर 137 रन ही बना पाई थी।

कोहली-पडिक्कल बेंगलुरु के टॉप स्कोरर

अपनी टीम के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में बेंगलुरु के कप्तान विराट कोहली पहले और देवदत्त पडिक्कल दूसरे स्थान पर हैं। कोहली ने सीजन में अब तक 431 और पडिक्कल ने 422 रन बनाए हैं।

शिखर-श्रेयस दिल्ली के टॉप स्कोरर

दिल्ली के शिखर धवन ने सीजन में अब तक 471 रन बनाए हैं। वे अपनी टीम के लिए सीजन में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। इसके बाद कप्तान श्रेयस अय्यर का नंबर आता है, जिन्होंने सीजन में अब तक 414 रन बनाए हैं।

रबाडा दिल्ली के टॉप विकेट टेकर

दिल्ली के तेज गेंदबाज कगिसो रबाडा ने दिल्ली के लिए सीजन में सबसे ज्यादा 23 विकेट लिए हैं। इसके बाद एनरिच नोर्तजे 16 विकेट लेकर दूसरे नंबर पर हैं। टूर्नामेंट सबसे ज्यादा विकेट लेने के मामले में मुंबई इंडियंस के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह (23) पहले नंबर पर हैं।

चहल के नाम सीजन में 20 विकेट

बेंगलुरु के स्पिनर युजवेंद्र चहल अपनी टीम के सबसे सफल गेंदबाज हैं। उन्होंने सीजन में अब तक 20 बल्लेबाजों को आउट किया है। टूर्नामेंट के टॉप-5 विकेट टेकर बॉलर्स में चहल एकमात्र स्पिनर हैं।

सीजन में दोनों टीमों ने सुपर ओवर खेला और जीता सीजन में बेंगलुरु और दिल्ली दोनों ने 1-1 सुपर ओवर खेला और जीता है। दिल्ली ने किंग्स इलेवन पंजाब और बेंगलुरु ने मुंबई इंडियंस को हराया था। दोनों ही सुपर ओवर दुबई में ही खेले गए थे।

दोनों टीमों के सबसे महंगे प्लेयर्स

आरसीबी में कप्तान विराट कोहली सबसे महंगे खिलाड़ी हैं। टीम उन्हें एक सीजन के 17 करोड़ रुपए देगी। उनके बाद टीम में एबी डिविलियर्स का नाम है, जिन्हें इस सीजन में 11 करोड़ रुपए मिलेंगे। वहीं, दिल्ली में ऋषभ पंत 15 करोड़ और शिमरॉन हेटमायर 7.75 करोड़ रुपए कीमत के साथ सबसे महंगे प्लेयर हैं।

अबु धाबी में मैच के दौरान आसमान साफ रहेगा। तापमान 23 से 31 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। पिच से बल्लेबाजों को मदद मिल सकती है। यहां स्लो विकेट होने के कारण स्पिनर्स को भी काफी मदद मिलेगी। टॉस जीतने वाली टीम पहले गेंदबाजी करना पसंद करेगी। इस आईपीएल से पहले यहां हुए पिछले 44 टी-20 में पहले गेंदबाजी करने वाली टीम की जीत का सक्सेस रेट 56.81प्रतिशत रहा है।

दिल्ली अब तक फाइनल नहीं खेली, बेंगलुरु को भी खिताब का इंतजार

दिल्ली अकेली ऐसी टीम है, जो अब तक फाइनल नहीं खेल सकी। हालांकि, दिल्ली टूर्नामेंट के शुरुआती दो सीजन (2008, 2009) में सेमीफाइनल तक पहुंची थी। वहीं, आरसीबी ने 2009 में अनिल कुंबले और 2011 में डेनियल विटोरी की कप्तानी में फाइनल खेला था। 2016 में विराट की कप्तानी में भी टीम फाइनल में पहुंची। लेकिन हर बार टीम को हार ही मिली।

आईपीएल में आरसीबी का सक्सेस रेट दिल्ली से बेहतर

लीग में आरसीबी का सक्सेस रेट (47.63प्रतिशत) दिल्ली (44.41प्रतिशत) से बेहतर है। बेंगलुरु ने अब तक कुल 194 मैच खेले हैं। 91 में उसे जीत मिली, जबकि 99 में उसे हार का सामना करना पड़ा। 4 मैच बेनतीजा रहे। वहीं, दिल्ली ने अब तक कुल 190 मैच खेले हैं।

टीम इंडिया की नई किट स्पॉन्सर एमपीएल होगी; हर मैच देगी 65 लाख

दुबई, एजेंसी।

टीम इंडिया की किट स्पॉन्सर गेमिंग कंपनी मोबाइल प्रीमियर लीग होगी।(एमपीएल) वह नाइकी का स्थान लेगी। एजेंसी ने एपेक्स काउंसिल के एक अधिकारी के हवाले से पुष्टि की है कि काउंसिल ने किट स्पॉन्सर के लिए एमपीएल के साथ तीन साल के समझौते के लिए मंजूरी दे दी है। एमपीएल मेन्स, वुमन, इंडिया टीम ए और अंडर-19 टीम की जर्सी स्पॉन्सर होगी। एमपीएल प्रति मैच 65 लाख रुपए देगी। वह 2020 नवंबर से 2023दिसंबर तक टीम इंडिया की किट स्पॉन्सर होगी।

इससे पहले नाइकी टीम इंडिया का किट स्पॉन्सर करता था। नाइकी के साथ 2016 से 2020 तक 370 करोड़ रुपए का करार था। साथ ही वह 30 करोड़ की रॉयल्टी भी देती थी। वह प्रति मैच करीब 88 लाख रुपए देता था। नाइकी के साथ करार सितंबर में खत्म हो गया है।

बोर्ड ने तीन महीने पहले किट स्पॉन्सर के लिए निकाली थी बीड बोर्ड ने नए किट स्पॉन्सर के लिए टेंडर में बेस प्राइज घटा दी थी। पिछली बार के 88 लाख रुपए के मुकाबले इस बार हर मैच के लिए बेस प्राइज 61 लाख रुपए तय की गई थी।

प्यूमा और एडिडास भी किट स्पॉन्सरशिप ने भरी थी बीड प्यूमा और एडिडास ने भी किट स्पॉन्सरशिप के लिए बीड पत्र लिए थे। लेकिन उन्होंने बीड नहीं भरे थे। उनका मानना था कि बेस प्राइज और कम होना चाहिए। क्योंकि कोरोना के संक्रमण में यह बेस प्राइज ज्यादा है।

मुकेश खन्ना के मीटू कॉमेंट पर भड़कीं सोना महापात्रा, कहा- मंदबुद्धि हैं

पिछले दिनों मशहूर ऐक्टर मुकेश खन्ना का एक बयान सामने आया था जिसमें उन्होंने कहा था कि सेक्शुअल हैरसमेंट के मामले इसलिए सामने आने लगे हैं क्योंकि महिलाएं बाहर निकलकर काम करने लगी हैं। मुकेश खन्ना के इस बयान की काफी आलोचना की गई थी। अब अपनी बेबाकी के लिए मशहूर ऐक्ट्रेस सोना महापात्रा ने भी मुकेश के बयान पर सख्त नाराजगी जताई है। सोना महापात्रा ने बताया मंदबुद्धि सोना ने ट्विटर पर मुकेश खन्ना के बयान वाली न्यूज का एक लिंक शेयर करते हुए लिखा, हां, क्योंकि इस व्यक्ति के मुताबिक पुरुषों ने कभी महिलाओं या बच्चों का शोषण घर में नहीं किया है, बेहतर है इन्हें इग्नोर किया जाए, मंदबुद्धि। दुखद सच्चाई यह है कि हमारे चारों ओर काफी ऐसी पिछड़ी सोच वाले लोग हर जगह हैं। परिवर्तन की रफ्तार धीमी है लेकिन वह हो रहा है। बताते चलें कि सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में मुकेश खन्ना ने कहा था, मर्द अलग होता है और औरत अलग होती है। औरत की रचना अलग होती है और मर्द की रचना अलग होती है। औरत का काम घर संभालना होता है। ये मी टू की प्रॉब्लम शुरू तब हुई जब महिलाओं ने घर से बाहर निकलकर काम करना शुरू किया। वे आज पुरुषों संग कंधे से कंधा मिलाकर काम करना चाहती हैं। लेकिन इससे सबसे ज्यादा वो बच्चा सफर करता है जिसे अपनी मां से दूर होना पड़ता है। वो बच्चा एक आया के साथ रहने को मजबूर होता है और उसके साथ बैठकर क्योंकि सांस भी कभी बहू थी जैसे सीरियल देखता है। मर्द मर्द होता है और औरत औरत रहती है। बाद में मांगी माफी इस बयान के सामने आने के बाद मुकेश खन्ना ने सोशल मीडिया पर एक लंबा नोट लिखकर माफी मांगी थी। उन्होंने अपने इस नोट में लिखा कि इस इंटरव्यू को तोड़-मरोड़कर पेश किया गया है। मुकेश ने कहा कि वह महिलाओं का काफी सम्मान करते हैं। उन्होंने कहा कि वह उनके बयान को गलत तरीक से लिया जा रहा है। मुकेश ने अपनी सफाई में यह भी कहा कि उनका यह कहना बिल्कुल नहीं था कि औरतों के बाहर निकलने के कारण सेक्शुअल हैरसमेंट होते हैं।

शाहरुख खान ने ठुकरा दी थीं बॉलिवुड की ये ब्लॉकबस्टर फिल्में

बॉलिवुड के बादशाह शाहरुख खान ने अपने करियर में एक से बढ़कर एक सुपरहिट और यादगार फिल्में दी हैं। शाहरुख की सुपरहिट फिल्मों की लंबी लिस्ट है। हालांकि उन्होंने अपने करियर में कई ऐसी फिल्में करने से मना भी कर दिया था जो बाद में बेहद सुपरहिट और पॉप्युलर साबित हुईं। शाहरुख अगर इन फिल्मों को कर लेते तो उनकी हिट फिल्मों की लिस्ट और लंबी हो जाती। आइए, जानते हैं किन सुपरहिट फिल्मों के लिए शाहरुख खान थे पहली पसंद।

संजय दत्त की इस सुपरहिट फिल्म के लिए प्रड्यूसर विधु विनोद चोपड़ा और डायरेक्टर राजकुमार हिरानी शाहरुख खान को लेना चाहते थे। सर्किट के रोल के लिए भी उन्होंने विवेक ओबेरॉय का चुनाव किया था। हालांकि शाहरुख को मुन्ना का किरदार कुछ पसंद नहीं आया और उन्होंने इसके लिए इनकार कर दिया। बाद में यह फिल्म संजय दत्त और अरशद वारसी को मिली और सुपरहिट साबित हुई। शाहरुख खान ने संजय लीला भंसाली के साथ देवदास जैसी सुपरहिट फिल्म की थी। फिल्म %पद्मावत% में अलाउद्दीन खिलजी के निगेटिव रोल के लिए पहले वह शाहरुख खान के पास गए थे। हालांकि शाहरुख विलन का यह किरदार नहीं निभाना चाहते थे। उसके बाद यह यादगार रोल रणवीर सिंह को मिल गया। विधु विनोद चोपड़ा और राजकुमार हिरानी एक बार फिर अपनी फिल्म 3 इडियट्स के लिए शाहरुख खान के पास पहुंचे थे। बताया जाता है कि उस समय शाहरुख के पास डेट्स नहीं थीं। इसके अलावा यह भी कहा जाता है कि उन्हें लीड रोल नहीं बल्कि माधवन वाला किरदार ऑफर किया गया था। बाद में यह एक ऐसी फिल्म बनी जिसे हमेशा याद किया जाएगा। डायरेक्टर आशुतोष गोवारिकर की फिल्म लगान अपने समय की बेहद सुपरहिट फिल्म थी। उन्होंने पहले यह फिल्म शाहरुख खान को ऑफर की थी लेकिन शाहरुख शायद खुद को फिल्म में धोती में नहीं देखना चाहते थे और उन्होंने इस फिल्म के लिए मना कर दिया था। हालांकि बाद में उन्होंने देवदास में धोती पहनी थी और आशुतोष गोवारिकर ने भी स्वदेस के एक सीन में शाहरुख को धोती पहना ही दी थी।

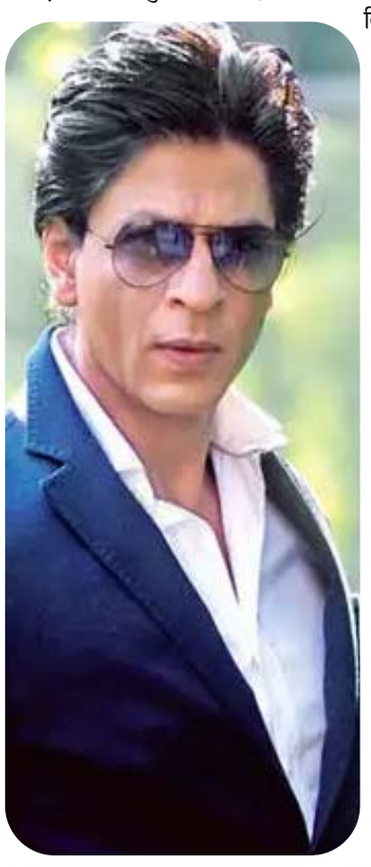

अभिनेत्री हिना खान के इंस्टाग्राम पर 1 करोड़ फॉलोअर्स

बॉलीवुड अभिनेत्री हिना खान के इंस्टाग्राम परिवार की संख्या बढ़कर 1 करोड़ हो गई है। इस मौके अभिनेत्री ने अपने फैंस को धन्यवाद दिया। हिना ने अपने इंस्टाग्राम पर एक तस्वीर शेयर कीए जिसमें वह गुब्बरों के साथ पोज देते नजर आ रही हैं। उन्होंने इसे कैप्शन देते हुए लिखाए 10 मिलियन स्ट्रॉन्ग। धन्यवाद। टेलीविजन धारावाहिक ये रिश्ता क्या कहलाता है में अक्षरा का

किरदार निभाकर हिना काफी फेसम हुईं। उन्होंने रियलिटी शो बिग बॉस 11 में भी भाग लियाए और संगीत एल्बम में डब किया है। अभिनेत्री ने इस साल की शुरूआत में फिल्म हैक के साथ बॉलीवुड में अपनी शुरूआत की। उन्हें बाद में फिल्म अनलॉक में भी देखा गया था। हिना बिग बॉस के 14वें सीजन में तूफानी सिनीयर के तर्ज पर एंट्री मारी थीं।

सुशांत सिंह राजपूत के फैंस ने की ऐसी हरकत कि अंकिता लोखंडे को मांगनी पड़ी बॉयफ्रेंड विक्की जैन से माफी

सुशांत सिंह राजपूत के फैंस ने की ऐसी हरकत कि अंकिता लोखंडे को मांगनी पड़ी बॉयफ्रेंड विक्की जैन से माफी

टीवी सीरियल पवित्र रिश्ता से सफलता का स्वाद चखने वाली एक्ट्रेस अंकिता लोखंडे इस समय मुश्किल दौर से गुजर रही हैं। सुशांत सिंह राजपूत के निधन के बाद अंकिता लोखंडे खुद को व्यस्त रखने के लिए तमाम जतन भी करती नजर आ रही हैं। इस दौरान उन्हें लगातार आलोचनाओं का शिकार भी होना पड़ रहा है। इस बीच उन्होंने एक पोस्ट शेयर करके अपने बॉयफ्रेंड विक्की जैन से खुलेआम माफी मांगी है। अंकिता लोखंडे ने इस पोस्ट के साथ ही साथ अपनी ओर विक्की जैन की एक तस्वीर को भी शेयर किया है।

इस पोस्ट में अंकिता लोखंडे ने लिखा है, तुम्हारे लिए मेरी जो फिलिंग्स हैं उन्हें मैं शब्द नहीं दे पाऊंगी। जब भी मैं हम दोनों को साथ देखती हूं तो मेरे दिमाग में सबसे पहले एक ही चीज आती है कि मैं मेरी जिंदगी में तुम्हें एक दोस्त, पार्टनर और सोलमेट की तरह भेजने के लिए मैं भगवान की आभारी हूं। मेरे साथ हर मुश्किल में साथ देने के लिए शुक्रिया। मेरी हर मुसीबत को अपना बनाने के लिए और मेरी मदद के लिए दिल से शुक्रिया। मेरा सपोर्ट सिस्टम बनने के लिए शुक्रिया। सबसे जरूरी बात कि मुझे और मेरे हालात समझने के लिए शुक्रिया। मुझे माफ कर देना क्योंकि मेरी वजह से तुम्हें आलोचना का शिकार होना पड़ा। शब्द कम पड़ जाएंगे लेकिन हमारी बॉन्डिंग खूबसूरत है। आई लव यू। विक्की जैन ने बंद कर दिया था कमेंटबॉक्स सुशांत सिंह राजपूत के निधन के बाद अंकिता लोखंडे और विक्की जैन को आलोनचाओं का शिकार होना पड़ा था। जहां अंकिता लोखंडे ने हर एक आलोचना का सामना किया वहीं विक्की जैन ने इंस्टाग्राम पर अपना कमेंटबॉक्स ही बंद कर दिया था। सुशांत सिंह राजपूत के निधन से बौखलाए कुछ फैंस ने उनकी मौत का जिम्मेदार अंकिता लोखंडे और विक्की जैन को भी ठहराया था। अंकिता लोखंडे को हर कदम पर मिला विक्की से सपोर्ट सुशांत सिंह राजपूत के निधन के बाद अंकिता लोखंडे उनके परिवार के साथ हर कदम पर खड़ी नजर आई हैं। अंकिता लोखंडे ने नेशनल टेलीविजन पर आकर डंके की चोट पर कहा कि वो सुशांत को न्याय दिलाने के लिए उनके परिवार के साथ आखिरी दम तक रहेंगी। इस दौरान अंकिता लोखंडे को बॉयफ्रेंड विक्की जैन से लगातार सपोर्ट मिलता रहा है।

मदालसा शर्मा ने दिखाई ऐसी ग्लैमरस अदाएं वायरल हो गया वीडियो

बॉलिवुड के वेटरन ऐक्टर मिथुन चक्रवर्ती बेहतरीन डांसरों में गिना जाता है। इस समय उनकी बहू मदालसा शर्मा का एक वीडियो वायरल हो रहा है। जिसमें वह अलग अंदाज में ही नजर आ रही हैं। सोशल मीडिया पर ऐक्टिव रहने वाली मदालसा शर्मा आए दिन अपनी फोटोज और वीडियो फैंस के लिए शेयर करती रहती हैं। मदालसा शर्मा ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो शेयर किया है। इसमें वह सैफ अली खान और करीना कपूर की फिल्म कुरबान के गाने शुक्रन अल्लाह पर बेहतरीन अदाएं दिखा रही है। वह पहले भी अपने कई वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर कर चुकी हैं। मदालसा शर्मा ने मिथुन चक्रवर्ती के बेटे मिमोह चक्रवर्ती के साथ शादी की है। दोनों की शादी साल 2018 में हुई थी। वह तेलुगू फिल्म इंडस्ट्री की जानी.मानी ऐक्ट्रेस हैं। मदालसा शर्मा इन दिनों चर्चित टीवी शो अनुपमा में काव्या झवेरी का रोल निभा रही हैं। मदालसा शर्मा ने साल 2009 में तेलुगू फिल्म श्फिटिंग से ऐक्टिंग डेब्यू किया था। इसके अलावा उन्होंने कन्नड़ फिल्म श्शौर्य में भी काम किया है। मदालसा शर्मा मशहूर ऐक्ट्रेस शीला शर्मा और निर्माता.निर्देशक सुभाष शर्मा की बेटी हैं। शीला शर्मा ने 90 के दशक की महाभारत में देवकी का रोल निभाया था।

नागिन फेम सुरभि चंदना की अदाओं के जलवे देख यूजर ने लिखा %लाल छड़ी मैदान खड़ी

आएगी धर्मेंद्र सनी और बॉबी देओल की अपने 2 जल्द शुरू होगी शूटिंग

साल 2007 में धर्मेंद्र सनी देओल और बॉबी देओल की मुख्य भूमिका वाली फिल्म अपने रिलीज हुई थी। इस फिल्म को उस समय पर फैन्स ने काफी पसंद किया था। अनिल शर्मा के डायरेक्शन में बनी इस फिल्म की सीच्ल की लंबे समय से मांग चल रही है। अब लगता है फैन्स की यह डिमांड जल्द ही पूरी हो सकती है। खबर है कि अपने का सीच्ल अपने 2 की स्क्रिप्ट तैयार है और जल्द ही इसकी शूटिंग शुरू होगी।

रिपोर्ट के मुताबिक अनिल शर्मा ने अपने 2 का कॉन्सेप्ट धर्मेंद्र को सुनाया है जो उन्हें काफी पसंद आया। इस फिल्म में भी पहले पार्ट की तरह धर्मेंद्र सनी देओल और बॉबी देओल मुख्य भूमिकाओं में होंगे। पहले पार्ट के रिलीज होने के 13 साल बाद अनिल शर्मा ने दूसरे पार्ट की स्क्रिप्ट तैयार कर ली है। हालांकि अपनी तक फिल्म की बाकी की कास्ट फाइनल नहीं हुई है लेकिन इतना तय है कि पहली फिल्म की तरह यह भी एक मल्टी.स्टारर फिल्म होगी। खबर के मुताबिक अपने 2 की शूटिंग अगले साल 2021 में मार्च/अप्रैल के महीने से शुरू हो जाएगी। मुख्य तौर पर फिल्म की शूटिंग मुंबई और लंदन में की जाएगी और फिल्म के प्री.प्रॉडक्शन का काम शुरू कर दिया गया है। अब देखना दिलचस्प होगा कि इस बार अपने में धर्मेंद्र सनी और बॉबी के अलावा और कौन से स्टार्स होते हैं और क्या पहले बॉलिवुड में डेब्यू कर चुके सनी देओल के बेटे करण देओल भी इसका हिस्सा होंगे या नहीं। बता दें कि साल 2007 में रिलीज हुई अपने में धर्मेंद्र ने एक बॉक्सर का किरदार निभाया था जो अपने बेटों अंगद और करण को वर्ल्ड चैंपियन बॉक्सर बनाना चाहता है। फिल्म में धर्मेंद्र सनी और बॉबी के अलावा शिल्पा शेट्टी कटरीना कैफ विक्टर बनर्जी दिव्या दत्ता किरण खेर जावेद शेख परवीन डबास राजेंद्र गुप्ता डॉली बिंद्रा समर जय सिंह और आर्यन वैद्य जैसे कलाकार मुख्य भूमिकाओं में थे।

रणवीर और दीपिका की रिसेप्शन में जबरन ही पहुंची थी कुब्रा सैत

रणवीर सिंह और दीपिका पादुकोण ने शादी इटली में की थी। हालांकि इंडिया वापस आकर उन्होंने कई रिसेप्शन दिए थे। उन्होंने फैमिली फ्रेंड्स जर्नलिस्ट्स और बॉलिवुड फ्रेंड्स को अलग.अलग पार्टी दी थी। ऐक्ट्रेस कुब्रा सैत ने बताया है कि कैसे वह इस सेलिब्रेशन का जबरदस्ती हिस्सा बनी थीं। कुब्रा ने बताया मैं रणवीर से कई साल पहले एक शो होस्ट करते वक्त 5000 लोगों की भीड़ में मिली थी। आप नहीं सोच सकते कि शो होस्ट करते वक्त आपको कोई सुपरस्टार याद रखेगा लेकिन उन्होंने मुझे याद रखा।

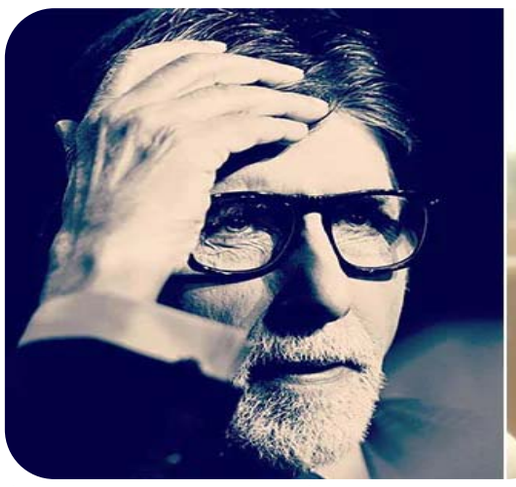

अमिताभ बच्चन और एकता कपूर इस बार नहीं मनाएंगे दिवाली

बॉलीवुड के शहंशाह अमिताभ बच्चन और प्रोड्यूसर एकता कपूर इस साल अपने घर पर दिवाली पार्टी का आयोजन नहीं करेंगे. मुंबई मिरर की रिपोर्ट के मुताबिक, 2020 पूरी दुनिया के लिए काफी भयानक गुजर रहा है. जहां एक तरफ पूरी दुनिया में कोरोना वायरस महामारी का कहर जारी है तो वहीं हिंदी फिल्म इंडस्ट्री के लिए यह साल काफी बुरा और नुकसान से भरा रहा. बॉलीवुड ने इस साल अपने कई दिग्गज स्टार खो दिए. ऋषि कपूर, इरफान खान, सुशांत सिंह राजपूत सहित कई दूसरे कलाकार हमारे बीच नहीं रहे. इसी वजह से इन सितारों ने दिवाली पार्टी आयोजित नहीं करने का फैसला लिया है.अमिताभ बच्चन और एकता कपूर हर साल अपने घर पर दिवाली पार्टी रखते हैं लेकिन इस बार उन्होंने पार्टी नहीं करने का फैसला किया. मुंबई मिरर की रिपोर्ट के अनुसार, अमिताभ बच्चन और एकता कपूर दोनों ने ऋषि कपूर के निधन के कारण इस साल दिवाली नहीं मनाने का फैसला किया है. बिग बी की बेटी श्वेता नंदा की शादी दिवंगत ऋषि कपूर के भतीजे निखिल नंदा से हुई है और इसलिए वे परिवार के सदस्य हैं, वहीं एकता कपूर ऋषि कपूर को अपना परिवार मानती हैं क्योंकि स्वर्गीय ऋषि कपूर उनके पिता जितेंद्र के करीबी दोस्त थे.और इसलिए दोनों स्टार ने दिवाली पार्टी न करने का फैसला किया है. अक्षय कुमार, करण जौहर और शाहरुख खान जैसे सितारे हर साल अपने घर पर दिवाली पार्टी का आयोजन करते हैं, लेकिन कोरोना वायरस महामारी की वजह से इस साल वह पहले की तरह दिवाली नहीं मनाएंगे.

कंचन उजाला हिंदी दैनिक

स्वामी नमोकंचन कार्पोरेट सर्विसेस (एल.एल.पी) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक कंचन सोलंकी द्वारा उमाकान्ती ऑफसेट प्रेस, ग्राम डेहवा पोस्ट मोहनलाल गंज लखनऊ से मुद्रित एवं 61/18 चुटकी भण्डार हुसैनगंज लखनऊ से प्रकाशित।

संपादक- कंचन सोलंकी

TITLE CODE- UPHIN48974

Mob: 8896925119, 9695670357
Email: kanchansolanki397@gmail.com

नोटः समाचार पत्र में प्रकाशित समाचारो एवं लेखों से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नही। समस्त विवादो का निस्तारण लखनऊ न्यायालय के अधीन होगा।